बर्षः- 06
अंकः- 122
मुरादाबाद
(Sunday)
23 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

यूपी में चीनी की कमी नहीं: 'जमाखोरी की तो खैर नहीं', योगी बोले- सभी जिलों में डीएम गोदामों का कराएं सत्यापन

सीएम योगी ने समीक्षा के बाद कहा कि यूपी में चीनी की कमी नहीं है। किसी ने जमाखोरी की तो खैर नहीं होगी। सभी जिलों के डीएम को गोदामों के सत्यापन कराने के निर्देश दिए।उत्तर प्रदेश में चीनी की उपलब्धता को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समीक्षा की। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राज्य में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता है और आमजन को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीनी की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जरूरत पड़ने पर चीनी मिलों का संचालन 15 अक्टूबर से शुरू करने के भी निर्देश दिए।

मिलों में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार- समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गया कि प्रदेश की चीनी मिलों में कुल 179.38 लाख कुंतल चीनी उपलब्ध है। इसमें सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल चीनी का भंडार है।जून और जुलाई में चीनी मिलों ने 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की। इसमें से अधिकांश चीनी अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता के अनुसार 15 अक्टूबर से चीनी मिलों को संचालित किया जाए, ताकि बाजार में आपूर्ति प्रभावित न हो।कालाबाजारी और अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई- मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी की अफवाह फैलाने वालों से सावधान रहें। उन्होंने अधिकारियों को चीनी की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

भारत सरकार के निर्देशों का हवाला देते हुए बताया गया कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक का चीनी स्टॉक नहीं रख सकेगा। एक समय में 400 टन से अधिक स्टॉक रखने की भी अनुमति नहीं होगी। वहीं, 10 मीट्रिक टन प्रतिमाह खपत वाले बल्क कंज्यूमर्स 15 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकेंगे। चीनी मिलें भी अपने मासिक कोटे के तहत बेची गई चीनी को बिक्री की तारीख से सात दिन से अधिक समय तक गोदाम में नहीं रोक सकेंगी।डीएम कराएं गोदामों का भौतिक सत्यापन- मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को जिले में पंजीकृत चीनी मिलों के साथ ही थोक और फुटकर विक्रेताओं के गोदामों का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उपलब्ध स्टॉक की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट लेने और निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक या जमाखोरी मिलने पर कठोर कार्रवाई करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। किसी भी जिले में कालाबाजारी या कीमतों में अनुचित बढ़ोतरी की स्थिति में तत्काल शासन को अवगत कराने को कहा। 48 लाख किसानों को 32,554 करोड़ रुपये का भुगतान- बैठक में बताया गया कि पेराई सत्र 2026-27 में प्रदेश में करीब 28.14 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ने की खेती संभावित है। इससे करीब 90 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान है। प्रदेश में हर महीने लगभग चार लाख टन चीनी की खपत होती है। वहीं, पेराई सत्र 2025-26 में 48 लाख किसानों को 32,554 करोड़ रुपये से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जज भगवान नहीं, हर फैसला सही नहीं हो सकता; विदाई समारोह में ऐसा क्यों बोले जस्टिस संजय करोल?

सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत्त हो रहे जस्टिस संजय करोल ने विदाई संबोधन में कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं हैं और हर फैसला सही होना संभव नहीं है। उन्होंने न्याय में विनम्रता, संवेदनशीलता और आम नागरिक की बात सुनने पर जोर दिया। उन्होंने करीब चार दशक के अपने कानूनी सफर को याद किया।सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त हो रहे न्यायमूर्ति संजय करोल ने शनिवार को अपने विदाई संबोधन में कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं होते और उनसे हर फैसला पूरी तरह सही होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है और न्यायाधीशों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए। क्या न्याय केवल कानून सही तरीके से लागू करने का नाम है? न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि संविधान न्यायाधीशों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है। उन्होंने कहा कि उनके लिए न्याय करना सिर्फ यह तय करना नहीं रहा कि कानूनी रूप से कौन सही है, बल्कि अदालत के सामने खड़े व्यक्ति की स्थिति और उसकी उम्मीदों को समझना भी इसका हिस्सा है। उन्होंने कहा हम, न्यायाधीश, भगवान नहीं हैं। हम हर फैसला सही नहीं करेंगे। उनके मुताबिक, न्यायाधीश के हाथ में सबसे अहम बात यह है कि वह व्यक्ति को सिर्फ याचिकाकर्ता के तौर पर न देखे।

मायावती का सपा पर हमला, बोलीं- 'चवन्नी से रुपया' वाला बयान अमर्यादित और शर्मनाक, जाट समाज से मांगे माफी

मायावती ने अखिलेश यादव के रालोद और उसके नेता पर दिए बयान को अमर्यादित बताते हुए सपा से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने सपा पर जातिवादी और स्वार्थी राजनीति के आरोप लगाए। मायावती ने पीडीए की राजनीति पर भी सवाल उठाते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में जनता से सपा को दूर रखने की अपील की।बसपा प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सपा प्रमुख के राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और उसके नेता को लेकर दिए गए 'चवन्नी से रुपया बना दिया' वाले बयान को अमर्यादित और शर्मनाक बताया।

मायावती ने कहा कि इस बयान के लिए सपा नेतृत्व को रालोद, उसके नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के परिवार के साथ जाट समाज से भी माफी मांगनी चाहिए। मायावती ने आरोप लगाया कि सपा की राजनीति में विरोधी दलों के साथ-साथ सहयोगी दलों के प्रति भी संकीर्णता और जातिवादी रवैया रहा है। उनके मुताबिक, इसका राजनीतिक लाभ कई मौकों पर भाजपा को मिला और धर्मनिरपेक्ष ताकतें कमजोर हुईं।सपा पर गंभीर आरोप लगाए- उन्होंने 1993 में सपा-बसपा गठबंधन बनने और बाद में टूटने का जिक्र करते हुए कहा कि इसके बाद 2 जून 1995 को लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस कांड हुआ। मायावती ने इसे अपने खिलाफ हत्या के षड्यंत्र से जोड़ते हुए सपा पर गंभीर आरोप लगाए।बसपा प्रमुख ने 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों के बाद गठबंधन टूट गया और यह सपा के अहंकारी तथा स्वार्थी रवैये का परिणाम था।पीडीए को लेकर भी निशाना साधा- मायावती ने अखिलेश यादव के पीडीए को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अपने राजनीतिक हित के अनुसार पीडीए में 'पी' की अलग-अलग व्याख्या करती है। साथ ही उन्होंने सपा की पिछली सरकारों पर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और सवर्ण समाज, विशेषकर ब्राह्मणों, के हितों की अनदेखी तथा कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में जनता से सपा को सत्ता से दूर रखने की अपील की और सर्वसमाज को उसकी कथित संकीर्ण एवं जातिवादी राजनीति से सावधान रहने को कहा।

वंदे मातरम पर सियासी घमासान: BJP ने कांग्रेस के फैसले को नकारा, कहा- 1937 के इसी फैसले ने रखी विभाजन की नींव

भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम की पहली बैठक में वंदे मातरम को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस के उस निर्णय पर सवाल उठाए, जिसमें गीत के दो छंद गाने की बात कही गई है। पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का यह रुख ऐतिहासिक घटनाओं और तुष्टिकरण की राजनीति से जुड़ा रहा है।भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ पहली बार बैठक की। इस बैठक के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बताया कि पदाधिकारियों की इस बैठक में पहला प्रस्ताव वंदे मातरम के सम्मान को लेकर पारित किया गया। संबित पात्रा ने इस दौरान कांग्रेस के वंदे मातरम के केवल दो छंद गाने के फैसले को लेकर निशाना साधा। संबित पात्रा ने कहा कि वंदे मातरम के बीज मंत्र के मूल में देश और देशभक्ति है। उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की ओर से वंदे मातरम को रोकने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, यह वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है। 15 अगस्त, 2026 को लाल किले से छह श्लोकों वाला संपूर्ण वंदे मातरम गाया गया। लेकिन 15 अगस्त को कांग्रेस कार्यालय में एक अशोभनीय घटना घटी।कांग्रेस पर लगाया वंदे मातरम के अपमान का आरोप- भाजपा प्रवक्ता ने कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की उपस्थिति में, जब तिरंगा फहराया जा रहा था, सोनिया गांधी ने दो श्लोकों के बाद वंदे मातरम रोकने का इशारा किया। कांग्रेस इस मामले में डैमेज कंट्रोल की कोशिश कर रही थी। 19 अगस्त को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में एक प्रस्ताव आया कि हम वंदे मातरम के केवल दो श्लोक गाएंगे। कांग्रेस वंदे मातरम का विभाजन करना चाहती है। हम सभी जानते हैं कि 1937 में यह निर्णय क्यों लिया गया था।भाजपा सांसद ने आगे कहा, 1937 में केवल दो छंद गाने का यह फैसला क्यों लिया गया, हम सब जानते हैं। वंदे मातरम के 100 साल पूरे होने पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में देश में आपातकाल लगा हुआ था। 150 वर्ष पूरे होने पर सदन में चर्चा होती है। आजादी से पहले ब्रिटिश सरकार वंदे मातरम को रोकती थी। आज कांग्रेस वही काम कर रही है।

भाजपा का दावा- नेहरू के फैसले ने बोया विभाजन का बीज- उन्होंने कहा, 1923 में आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के अधिवेशन में वंदे मातरम का संपूर्ण गायन होना था। मगर कांग्रेस के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद अली ने वॉकआउट किया। इसके बाद 1937 में पहली बार जवाहरलाल नेहरू के कहने पर वंदे मातरम को विभाजित कर एक हिस्सा ही गाने का प्रस्ताव लाया गया। 1938 में नेहरू ने मोहम्मद अली जिन्ना को लिखी चिट्ठी में 14 मांगों के सामने घुटने टेक दिए। उन्होंने वंदे मातरम के संपूर्ण पठन को रोक दिया। संबित पात्रा ने कहा, पंडित नेहरू की ओर से 1937 में बोया गया, यही तुष्टिकरण का बीज आगे चलकर देश के विभाजन की वजह बना। कांग्रेस में राहुल गांधी और सोनिया गांधी का जो व्यवहार 15 अगस्त को रहा। इसके बाद जो कांग्रेस कार्य समिति में 1937 के प्रस्ताव को फिर से पारित किया गया। से कहा है कि कांग्रेस यह जो विभाजन का बीज बोने की कोशिश कर रही है, हम ऐसा नहीं होने देंगे। वंदे मातरम पर महात्मा गांधी के पत्र का किया जिक्र- पात्रा ने कहा, महात्मा गांधी ने स्वयं वंदे मातरम के बारे में लिखा था-

अखिलेश की 'चवन्नी' टिप्पणी पर जयंत चौधरी का पलटवार: 'ये जाट समुदाय का अपमान', बोले-ऐसा अहंकार केवल पतन लाता है

कभी गठबंधन में सहयोगी रहे सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद के प्रमुख जयंत चौधरी के बीच टकराव शुरू हो गया है। अखिलेश यादव के चवन्नी वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री और RLD प्रमुख जयंत चौधरी ने अब पलटवार किया है।समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। दोनों पूर्व सहयोगी अब राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। अखिलेश यादव ने हाल ही में चवन्नी वाली टिप्पणी की थी। इस पर राष्ट्रीय लोक दल प्रमुख जयंत चौधरी ने अब तीखा पलटवार किया है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह टकराव अखिलेश यादव के चवन्नी वाले कटाक्ष को लेकर है। अखिलेश यादव ने हाल ही में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा था, जाने कहां-कहां से आ गए थे लोग गठबंधन बनाने। यादव ने आगे कहा कि हमने चवन्नी का रुपया बना दिया था, तब भी हमें छोड़कर चले गए वो। उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया था। लेकिन उनकी यह टिप्पणी जयंत चौधरी के लिए मानी गई। यह 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान की बात है। तब जयंत चौधरी ने भाजपा की पेशकश को अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह चवन्नी नहीं हैं जिसे आसानी से पलटा जा सके। अखिलेश ने यह भी कहा कि कई लोग सपा छोड़कर चले गए हैं। उनकी पार्टी ने जनता से जुड़ने का संकल्प लिया है। सपा सामाजिक न्याय स्थापित करने और लोगों पर भरोसा करने को प्रतिबद्ध है।

यह विवाद 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सामने आया है। रालोद ने अखिलेश यादव के बयान को किसान नेता चौधरी चरण सिंह की विरासत का अपमान कहा। साथ ही जाट समुदाय का भी अपमान बताया गया है।

जयंत चौधरी का जवाब- शुक्रवार को रालोद के अध्यक्ष और केंद्री मंत्री जयंत चौधरी ने अखिलेश यादव पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें सस्ती राजनीतिक टिप्पणियां करनी थीं, तो कम से कम उनका नाम लेना चाहिए था। जयंत चौधरी ने एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, अगर आपको कुछ सस्ते शब्द इस्तेमाल करने थे, तो कम से कम मेरा नाम लेकर कहते। जयंत चौधरी ने अपनी पोस्ट में जोड़ा, जाट समुदाय को निशाना बनाना और कहना कि हमने ABCD सिखाई? उन्होंने यादव का नाम लिए बिना कहा कि ऐसा अहंकार केवल पतन लाता है। चौधरी ने कहा, मैं इस अहंकार को देख चुका हूं करीब से और मानता हूं ऐसा आचरण सिर्फ पतन लाता है!

योगी के 'पी' मतलब पाकिस्तान बयान पर अखिलेश का पलटवार, बोले- वो घबराए हैं, इसलिए पी की परिभाषा बदल रहे

अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री के पीडीए में 'पी' को पाकिस्तान से जोड़ने वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि एकरंगी सोच वाले लोग पीडीए की विविधता नहीं समझ सकते। उनके अनुसार सत्ता पक्ष घबराहट में पी की परिभाषा बदल रहा है और विरोध बढ़ने के साथ पीडीए मजबूत होगा।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पीडीए में पी से पाकिस्तान वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कि एकरंगी क्या जानें, पीडीए के बहुरंग। वो घबराए हुए हैं, इसलिए पी की परिभाषा बदल रहे हैं। जितनी उनकी पीड़ा बढ़ेगी, उतना पीडीए मजबूत होगा। बल्कि पीडीए का असली मतलब है प्रेम, दया और अपनापन। भाजपा सत्ता के दुरुपयोग को अपना अधिकार समझती है। भ्रष्टाचार और सरकारी बजट की लूट भाजपा का मुख्य एजेंडा है। पीडीए समाज पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि फर्जी एनकाउंटर हो रहे हैं। भाजपा सरकार ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी को गंभीरता से नहीं लिया। सरकार ने चढ़ावा चोरी में शामिल बड़े लोगों को बचाने का काम किया है। समाजवादी पार्टी के ही पास भाजपा के षड्यंत्र को विफल करने की ताकत है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि सपा गिरगिट की तरह रंग बदलती है और पीडीए का पी एक दिन पाकिस्तान कर देगी। सपा को गिद्ध बताते हुए कहा कि इनके बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। सपा का पी कभी पिछड़ा था, फिर पंडित हो गया।

संपादकीय Editorial

The uproar over 'Vande Mataram'

The national anthem 'Vande Mataram' has sparked a political uproar across the country, a shameful and unfortunate one. A bill on 'Vande Mataram' was passed in both houses of Parliament. President Draupadi Murmu also signed it. Now, a new law on 'Vande Mataram' has been enacted and implemented, making violations of the law or disrupting the national anthem, or disrupting its singing or playing, a crime. Each crime carries a specific punishment, but the protests, marches, and loud slogans being held in various parts of the country are examples of various political mindsets. A torchlight procession was held in remote Siliguri (West Bengal). Slogans of 'death to the nation' echoed in Srinagar, Kashmir, and three top Congress leaders were asked to 'apologize.' Effigies of Congress leaders were burned in Amritsar, Punjab. In Varanasi, the Prime Minister's constituency, questions were raised about his DNA. Strange slogans were raised in Mumbai—"We will say Sitaram, we will say Radheshyam." What connection do these Hindutva slogans have with "Vande Mataram"? Riots were also created in cities across Gujarat, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Rajasthan, and Maharashtra, particularly targeting Sonia Gandhi. In several cities, BJP figures, most obviously figures, filed complaints against Sonia Gandhi, as well as Congress President Mallikarjun Kharge and Leader of the Opposition (Lok Sabha) Rahul Gandhi, requesting police to file FIRs. In the capital, Delhi, an FIR has already been filed at a police station. The complaints have also raised demands for arrests and legal action. Union Home Minister Amit Shah has called the alleged insult to "Vande Mataram" a "sin" and urged former Congress President Sonia Gandhi to apologize to the nation and the soul of lyricist Bankim Babu.

The BJP is portraying this as an "insult to India." Congress has once again tapped into the BJP's "weak point," giving it a sensitive issue that the BJP can leverage to escalate the situation in the 2027 assembly elections. However, the BJP went on the defensive on the Gen-G and Alpha issues, and the national atmosphere began to shift. It was the solemn occasion of August 15th, the nation's Independence Day. Traditionally, the tricolor is hoisted at the Congress headquarters. Since the singing and playing of the national anthem "Vande Mataram" is legally mandatory at such public events, it was also sung at the Congress headquarters. Live broadcasts and videos of the ceremony that have been released show Congress President Kharge and Sonia Gandhi conversing with each other during the singing of the national anthem. A Seva Dal employee then approached them, and the two leaders gave him separate instructions. Sonia Gandhi's facial expressions at that time can be read. She seemed uneasy about the singing of "Vande Mataram." Rahul Gandhi also turned left and made some gestures. Later, he was heard saying, "We are singing our own Vande Mataram, not the government's Vande Mataram." What is this "our own" and "government's" Vande Mataram? In any case, the song, written by Bankim Chandra Chatterjee in 1875 and sung at the 1896 Congress session, also has a background in 1906-07. What was the catalytic role of this song in the freedom struggle? In 1936-37, at the insistence of the then Muslim League and Muhammad Ali Jinnah, only two verses of this song were accepted and continued to be sung. The entire song has six verses, which have now been made legally mandatory to sing in their entirety through Parliament. That era of slavery is now a thing of the past, and therefore, amendments to the provisions of that time are inevitable. This has been done in Parliament. Why the national anthem was interrupted at the Congress headquarters.

The twilight of life is becoming lonely.

The institution of family has been a hallmark of Indian society. It needs to be protected and strengthened. Organizations like the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) are doing remarkable work in this direction through campaigns like "Kutumba Prabodhan." It was shocking to social consciousness that after the death of an elderly father living in an old-age home in Sonipat, Haryana, none of his three daughters or grandchildren attended his funeral. The daughters chose to conduct the last rites via video call. The late father was a respected businessman. He raised his three daughters financially and fulfilled his responsibilities as a father by marrying them off. Yet, the daughters did not attend either his funeral or his thirteenth day rituals. In recent years, elderly parents have been insulted, neglected, despised by their children. Despite having full families and resources, the elderly condemned to live isolated lives in their homes or old-age homes. This is a reflection of the robotization of contemporary society, which is becoming increasingly selfish, mechanical, and insensitive.

The failure to attend the funeral of three daughters cannot be dismissed as inhumane. There are concrete social and economic reasons behind this. The first is the redefinition of time. In today's urban life, time is linked to productivity. Every activity is evaluated based on how much it will enhance career or income. A funeral fails to meet this standard. It serves no self-interest or benefits, and therefore, becomes insignificant. The second reason is emotional distance. When a person does not see their parents for a long time, their attachment to them diminishes. The news of death becomes a lifeless information, not a shock. The third reason is the change in social acceptance.

In the past, if a child did not attend their parents' funeral, they faced guilt and a kind of social ostracism. Today, such behavior has been normalized as a "compulsion caused by a busy life." Traditionally, daughters in Indian society are expected to provide greater care for their parents. However, now, through employment, daughters are becoming part of the same competitive system as men. Their behavior is becoming more like that of sons. This does not mean that daughters have become insensitive, but rather that the market-based economy has devalued both men and women as producers and consumers. In the past few decades, the joint families have broken down, and the trend of nuclear families has increased. Urbanization, education, and employment opportunities have led to migration and displacement. Geographical distance has directly impacted elderly parents. They are left with two options: either live alone or live in an old-age home. In either case, their care and emotional needs are not met. Unfettered independence, a desire for privacy, and immense materialism have also shaken the foundations of families. When both husband and wife are employed, elderly people are banished to old-age homes, considering them a practical solution. Initially, a promise is made to visit them monthly. Then this period increases. Even phone conversations become formal. Gradually, the elderly are excluded from their children's lives.

Surveys by the National Commission for the Elderly and some independent organizations show that more than 15 percent of senior citizens in India live alone. In metropolitan areas, this percentage is around 25. More than 60 percent of people living in old-age homes have children living within the country. 40 percent of the elderly admitted to old-age homes are from the upper and middle classes. Clearly, the root cause of this problem is more a self-centered and utilitarian value system and a Western lifestyle than financial constraints. Today, service providers like "Last Journey" have emerged for funerals. If today's generation is treating their parents this way, future generations will do the same. This is a vicious social cycle. The institution of family has been the greatest characteristic of Indian society. It needs to be protected and strengthened. Organizations like the Rashtriya Swayamsevak Sangh are doing remarkable work in this direction by running campaigns like "Kutumba Prabodhan." At the policy level, the government should promote home health care, day care centers, and community centers for senior citizens and children. The government has proposed providing 45 days of leave for parental care. Other companies and establishments should also be encouraged to offer child care leave and parental care leave to their employees. They could be offered benefits such as tax exemptions for doing so. At the individual level, we also need to reconsider our priorities. We must teach the new generation a sense of respect and responsibility for the elderly.

Public Representatives Falling Away From Accountability

Taxpayers' hard-earned money is spent on the salaries, allowances, and amenities of approximately 750 MPs in both houses. Parliament's productivity during the monsoon session was only 19%. Important bills were passed without adequate discussion. Lack of accountability of representatives and parliamentary deadlock are concerns. Reiterating previous figures of a waste of approximately 2.5 lakh rupees per minute of proceedings, concerns are again being raised about Parliament's declining productivity. Only 19 percent of work was completed during the monsoon session, and 173 working hours were wasted. Two important bills were passed after a mere 14 minutes of discussion, while 11 others were passed without any discussion. Clearly, there was less work in Parliament and more uproar, someone must be held accountable. In our parliamentary politics, there has been a tradition of blaming the opposition for uproar. Of course, uproar often originates from the opposition, but nothing happens without reason. The solution to any problem requires addressing its causes, but we have become accustomed to shying away from the causes themselves. Shifting postures as the roles of the opposition and the ruling party change is more of an irresponsible and opportunistic form of politics.

Before 2014, Leader of the Opposition Sushma Swaraj and Arun Jaitley used to consider running the House the responsibility of the ruling party and parliamentary deadlock as a constitutional tool of parliamentary politics. However, after coming to power, the BJP's thinking changed. The Congress, which had previously criticized the BJP for parliamentary deadlock, is now calling its role completely democratic. The tendency to use parliamentary deadlock to set the agenda for street politics is not new, but its continued growth is dangerous. Opposition that used to be ideological or issue-based now seems to have devolved into party rivalry. The result and impact of this bitterness is that linguistic decorum is being violated while making comments against each other.

The Monsoon Session of Parliament is not the first time such a ruckus has occurred. During Narasimha Rao's tenure as Prime Minister, similar scenes were witnessed in Parliament over the Harshad Mehta scandal. During Manmohan Singh's tenure, Parliament was stalled for several days over the 2G spectrum and coal scams. At that time, Congress was in power, and the BJP was in the opposition. That was in national interest, and this was anti-national. Such illogical thinking may be attributed to political parties and leaders, but not to the public. This time, the signal for a ruckus was evident from the very beginning of the session. Students and youth, under the banner of the Cockroach Janata Party, were protesting at Jantar Mantar demanding the resignation of Education Minister Dharmendra Pradhan over the NEET-UG paper leak. A march to Parliament had already been announced on July 20, the very first day of the monsoon session.

The government's delayed action resulted in violence during the Parliament march, and despite Dharmendra Pradhan's resignation, the subsequent events and resulting political damage could not be averted. This failure of the government provided the opposition with an issue that pushed the ruling party into a defensive posture. With assembly elections in several states, including Uttar Pradesh, just months away, how could the opposition let slip an issue that offered it the opportunity to champion the interests of a "Jenji" who could play a decisive role in the upcoming elections and whose support, until recently, was a major strength for Prime Minister Narendra Modi? Furthermore, the opposition has learned the aggressive politics of not stopping at one resignation from the BJP. During Manmohan Singh's tenure, the BJP forced the resignations of ministers one after another based on numerous allegations. Therefore, after Dharmendra Pradhan's resignation, Home Minister Amit Shah and Prime Minister Modi were bound to become the opposition's targets.

The Speaker of the House and the Minister of Parliamentary Affairs can also try to find a solution to parliamentary deadlocks, but ironically, neither of them has a smooth relationship with the opposition. No one felt the need to break the dangerous tradition of the "Halla Brigade" in Parliament, which began during Rajiv Gandhi's tenure as Prime Minister. Even today, there's no shortage of troublemakers on both sides of the House. But if the Parliamentary Affairs Minister also appears to be a member of that same brigade, who will initiate dialogue with the opposition? Speaker Om Birla has also almost lost the opposition's trust following the record suspension of opposition MPs in the last Lok Sabha. The opposition even boycotted his tea party after the prorogation.

Clearly, all this doesn't paint a happy picture of parlia mentary democracy, but do you see a frown on anyone's face? No, because whether Parliament functions or not is of no concern to either the ruling party or the opposition. If bills are passed without debate or account ability, what better situation could there be for the ruling party.

मुरादाबाद जिले में दहशत: खेत से हाईवे पर आया तेंदुआ, आधा घंटा रुका रहा ट्रैफिक, दो महिलाओं की ले चुका है जान

मुरादाबाद में तेंदुओं का आतंक अब खेतों से निकलकर हाईवे और आबादी तक पहुंच गया है। ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद हाईवे पर तेंदुए के सड़क पर आने से करीब आधे घंटे यातायात रुका रहा। कांठ में तेंदुआ दो शावकों के साथ सड़क पार करता दिखा, जबकि रामसराय में तेंदुआ घर की दीवार पर करीब तीन मिनट तक घूमता सीसीटीवी में कैद हुआ। मुरादाबाद में तेंदुओं का आतंक अब खेतों तक सीमित नहीं रह गया है। तेंदुए जंगल से निकलकर सड़क, हाईवे, घरों की दीवार और आबादी के बीच तक पहुंच रहे हैं। शुक्रवार की सुबह ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद हाईवे पर रघुनाथपुर उर्फ चमरपुरा बस स्टैंड के पास तेंदुआ सड़क पर आ गया। वाहन रुक गए और करीब आधे घंटे तक ट्रैफिक तेंदुए के हटने का इंतजार करता रहा।जब तेंदुआ वापस गन्ने के खेत में गया तो वाहन आगे बढ़ सके। वहीं कांठ में बृहस्पतिवार की रात तेंदुआ दो शावकों के साथ सड़क पार करता दिखाई दिया। राहगीरों और कांवड़ियों में हड़कंप मच गया। रामसराय में तेंदुआ ग्रामीण के घर की दीवार पर करीब तीन मिनट तक घूमता रहा। ठाकुरद्वारा के कालाझंडा में तीन तेंदुओं को देखने का दावा किया जा रहा है।एक वीडियो भी लोगों ने शेयर किया है जिसे कालाझंडा का बताया जा रहा है। वहीं डिलारी के सरकड़ा विश्नोई जंगल में भी तेंदुआ देखा गया। कांठ क्षेत्र में तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ सड़क पर होने की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह अपनी टीम के साथ पहुंचे। कांवड़ यात्रा के दौरान गश्त कर रहे एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह और सीओ कांठ सुनीता दहिया भी मौके पर पहुंचे।वन विभाग की टीम ने भी जांच की। पंजों के निशान मिलने के बाद गश्त बढ़ा दी गई और सुरक्षा की दृष्टि से कांवड़ियों को दूसरे स्थान पर पहुंचाया गया। वहीं रामसराय में तेंदुए की मौजूदगी ने डर को घर की चौखट तक पहुंचा दिया। गांव निवासी सरदार पवनदीप सिंह के घर लगे सीसीटीवी में बृहस्पतिवार रात करीब सवा 11 बजे तेंदुआ पशुओं की चरहट के पास से दीवार पर चढ़ता दिखाई दिया। करीब तीन मिनट तक वह दीवार पर चहलकदमी करता रहा। सुबह फुटेज देखने के बाद सूचना वन विभाग को दी गई। टीम ने जांच के बाद घर के पास पिंजरा लगा दिया। रामसराय के साथ पांइदापुर, राजीपुर खद्दर, भंकरी, फजलाबाद और सलेमपुर के ग्रामीणों में भी खौफ है।

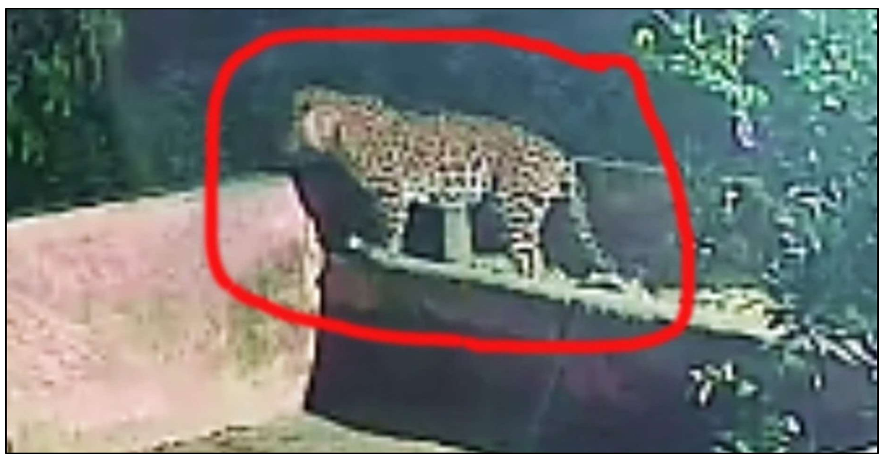

दो पिंजरे लगाए- डिलारी में मलकपुर सैमली से चावंड जाने वाले रास्ते पर वन विभाग ने दो पिंजरे लगाए हैं। इनमें बकरी को बांधा गया है और पिंजरों को घास-फूस से ढका गया है। वन विभाग के डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह ने लोगों से अकेले खेत और जंगल में न जाने, लाठी-डंडों के साथ समूह में कृषि कार्य करने की अपील की है। पुलिस ने भी कांवड़ियों और ग्रामीणों से समूह में चलने तथा अफवाहों से बचने को कहा है।

तेंदुआ प्रभावित गांवों में पहुंची बाघ मित्र एक्सप्रेस- तेंदुआ प्रभावित क्षेत्रों में वन विभाग ने जागरूकता और रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया है। तहसील ठाकुरद्वारा के संवेदनशील गांवों में तेंदुओं को पकड़ने के लिए कुल 19 ट्रैपिंग केज लगाए गए हैं। साथ ही रेस्क्यू टीमों की लगातार गश्त, थर्मल स्कैनिंग और निगरानी की जा रही है। डीएफओ डॉ. विनय कुमार ने शुक्रवार को तेंदुआ प्रभावित गांवों में बाघ मित्र एक्सप्रेस (जागरूकता वाहन) को भेजा। उन्होंने बताया कि गांवों में लोगों को बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बाघ मित्र एक्सप्रेस टीम ने वन विभाग के सहयोग से नया गांव, बहादुर नगर, पाड़ला, लालपुर गोसाई, रामूवाला शेखू और पीपली अहीर में जागरूकता अभियान चलाया। ग्रामीणों को खेतों में काम करते समय विशेष सावधानी बरतने और गर्दन के आसपास मोटा कपड़ा रखने की सलाह दी गई।

काजीपुरा, जोगीपुरा, गजरा आलम और कमलपुरी समेत संवेदनशील क्षेत्रों में थर्मल स्कैनिंग की गई। शुक्रवार को वन विभाग के प्रचार वाहन से बरदेड़ा, वजीदपुर, चंद्रपुर गुलड़िया, वीरुबाला, अलियाबाद, पैयांदापुर, शेरपुर बहलीन, मलकपुर सेमली और बहापुर बलिया समेत कई गांवों में लाउडस्पीकर से लोगों को जागरूक किया गया। लालपुर पीपलसाना की विश्नोई समाज धर्मशाला में वन विभाग का कैंप कार्यालय बनाया गया है। यहां से तेंदुए की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों को मौके पर भेजा जा रहा है।बछड़े को मार डाला पाड़ला में खेत पर काम कर रहे रामप्रसाद पर तेंदुआ दौड़ा तो उन्होंने भागकर जान बचाई। लेकिन तेंदुए ने खेत में घास चर रहे बछड़े पर हमला कर दिया और मारकर गन्ने के खेत में ले गया। पुलिस और वन विभाग ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों को जागरूक किया और पिंजरा लगाने का आश्वासन दिया।

लालपुर गोसाई में शाम करीब 6-30 बजे तेंदुआ जालम सिंह सैनी के घर के पास बैठा मिला। शोर मचने पर ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर पहुंचे तो वह गन्ने के खेत में घुस गया। ग्रामीणों के अनुसार आठ दिन पहले तेंदुआ कुतुबुद्दीन के घर में भी घुस गया था। बहापुर बलिया में तेंदुए के हमले में महिला ब्रह्मो देवी की मौत और एक वृद्ध के घायल होने के बाद वन विभाग ने तीन पिंजरे लगाए हैं।

डीएफओ ने लालपुर गोसाई, रामूवाला शेखू और दूल्हापुर सबलपुर में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को बचाव के तरीके बताए। बल्लभगढ़ में अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा ने ग्रामीणों की सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने पिंजरा लगाने और प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

संगठन ने तेंदुए के हमलों में मृतकों के परिजनों के लिए पांच लाख के बजाय 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की और 24 अगस्त को एसडीएम कार्यालय पर प्रस्तावित धरने में पहुंचने का आह्वान किया। पूर्व विधायक विजय यादव ने बहापुर बलिया में मृतक ब्रह्मो देवी के परिजनों से मिलकर 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद भी दी।

मंदिर की जमीन पर कांग्रेस नेता ने बनाया मकान, अब चला बुलडोजर; अवैध कब्जे के खिलाफ हुई कार्रवाई

संभल में चामुंडा मंदिर की भूमि पर बने कांग्रेस नेता के मकान पर बुलडोजर चला है। पहले तहसीलदार और फिर जिलाधिकारी के कोर्ट से अवैध कब्जे के खिलाफ आदेश पर कार्रवाई की गई है।संभल के सिरसी में चामुंडा मंदिर की भूमि पर बने कांग्रेस नेता और आईटी सेल के जिलाध्यक्ष मंजर अब्बास के मकान पर शुक्रवार को प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया।

इससे पहले तहसीलदार और फिर जिलाधिकारी कोर्ट की ओर से निर्माण को अवैध कब्जा करार दिया गया था। कार्रवाई के दौरान मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस बल तैनात रहा। एसडीएम विकास चंद्र के अनुसार राजस्व अभिलेखों में गाटा संख्या 696 चामुंडा देवी मंदिर के नाम दर्ज है। इस भूमि पर दुकान और मकान के रूप में किए गए निर्माण को लेकर तहसीलदार न्यायालय में मुकदमा चला था।पिछले महीने बेदखली का आदेश पारित हुआ था। इसके खिलाफ जिलाधिकारी की अदालत में अपील की गई, लेकिन आदेश बरकरार रहने के बाद अब उसी के अनुपालन में कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस नेता मंजर अब्बास ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी जमीन का करीब 35-40 वर्ष पुराना बैनामा गाटा संख्या 688 में है, जबकि मंदिर की भूमि अलग गाटा संख्या में है। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई को द्वेषपूर्ण बताया।शिकायतकर्ता मंदिर कमेटी के पदाधिकारी विमल सैनी का आरोप है कि मंजर अब्बास ने करीब 20 वर्षों से लगभग 72 मीटर भूमि पर कब्जा कर रखा था। उनके मुताबिक पहले भी अन्य लोगों से मंदिर की जमीन खाली कराई जा चुकी है। यह हिस्सा खाली होने के बाद मंदिर के गेट का निर्माण पूरा कराया जाएगा।

यूपी की इन सात सीटों पर सपा की काट ढूंढ रही भाजपा, लंबे समय से है फूल खिलने का इंतजार; जिताऊ चेहरे की तलाश

यूपी में भाजपा मुरादाबाद मंडल की सात सीटों पर जीत के लिए समाजवादी पार्टी की काट तलाश करने में लगी है। सात सीटों का पार्टी सर्वे करा रही है। पार्टी इन सीटों पर जिताऊ चेहरे तलाश रही है। मुस्लिम बहुल सीटों पर सहयोगी दलों की नब्ज टटोली जा रही है।उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा और सपा के लिए मुरादाबाद मंडल अहम है। सपा को अपना गढ़ बचाने और भाजपा को यहां भगवा फहराने की चुनौती है। मंडल की सात सीटों पर भाजपा को लंबे समय से जीत का इंतजार है। इन सीटों पर पार्टी सपा की काट ढूंढ रही है। इसके लिए पार्टी सर्वे करा रही है। जिताऊ चेहरा तलाश रही है। साथ ही इन सीटों पर गठबंधन के सहयोगी दलों की भी नब्ज टटोली जा रही है।

मुरादाबाद मंडल को सपा का गढ़ कहा जाता है। विधानसभा चुनावों के परिणाम भी यही बताते हैं। 2017 के चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला था। इस चुनाव में सपा को 47 सीटें मिली थीं। इसमें 12 सीटें मुरादाबाद मंडल की थी। जबकि भाजपा ने 15 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं 2022 में सपा ने 17 और भाजपा ने 10 सीटें जीतीं थीं।हार जीत के ये आंकड़े दोनों दलों के लिए मुरादाबाद मंडल अहम बना देता है। मंडल में सात ऐसी सीटें (रामपुर और कुंदरकी उपचुनाव के परिणाम छोड़कर) हैं जहां भाजपा को लंबे समय से जीत नहीं मिली है। किसी सीट पर पार्टी को 31 साल से जीत नहीं मिली तो कोई सीट 29 साल से हारती आ रही है।रामपुर सीट पर तो पार्टी को पहली बार उपचुनाव (2022) में ही जीत मिली है। वहीं कुंदरकी उपचुनाव जीतकर रामवीर सिंह ने भाजपा का 33 साल का वनवास खत्म किया था। जबकि मुरादाबाद देहात, अमरोहा, संभल, बिजनौर जिले की नगीना और नजीबाबाद सीट पर अभी भी पार्टी को जीत का इंतजार है। इन सीटों पर जीत के लिए भाजपा सपा की काट तलाश रही है।

पार्टी के शीर्ष नेतृत्व इस पर मंथन कर रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक यूपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष रह चुके बासित अली का कद बढ़ाकर मोर्चे का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है। वहीं मुस्लिम बहुल सीटों पर सहयोगी दलों की भागीदारी बढ़ाने पर भी पार्टी के भीतर मंथन चल रहा है।

मुरादाबाद मंडल की कुछ सीटों पर पार्टी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाती है। वरिष्ठ नेताओं के पास इसकी फीडबैक रहती है। पार्टी ऐसी सीटों का सर्वे कराती है। जीत का फार्मूला तलाशती है। रणनीति तैयार की जाएगी। गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ भी मंथन चल रहा है। - हरिओम शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष, भाजपा. मुरादाबाद देहात सीट को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ रणनीति पर मंथन चल रहा है। यहां मुस्लिम मतदाता अधिक हैं। इसको ध्यान में रखकर रणनीति बनाई जा रही है। - गिरीश भंडूला, भाजपा महानगर अध्यक्ष इन सीटों पर जीत का इंतजार- विधानसभा

सीट आखिरी जीत-
मुरादाबाद देहात 1993-
अमरोहा 1996 संभल
1993 नगीना 1991
नजीबाबाद 1991
कुंदरकी 1993 रामपुर
2022 (पहली जीत) नोट = कुंदरकी और रामपुर सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा को जीत मिली थी।तारिक मंसूर और बासित अली के जरिये मुस्लिम वोटरों को रिझाने की कोशिश नितिन नवीन की राष्ट्रीय टीम में दो मुस्लिम चेहरों का कद बढ़ा है। इसमें अलीगढ़ विवि के पूर्व वीसी तारिक मंसूर को मंत्री से उपाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। इन दोनों को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल कर पार्टी ने मुस्लिम कार्ड खेला है।

संक्षिप्त समाचार

संभल हिंसा: मुख्य साजिशकर्ता शारिक साठा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी, अब इंटरपोल करेगी तलाश

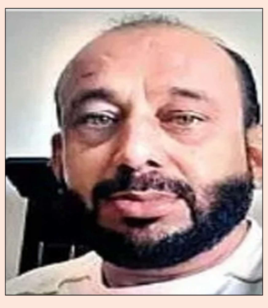

संभल बवाल के मुख्य साजिशकर्ता गैंगस्टर शारिक साठा के खिलाफ एलओसी जारी की गई है। दुबई में होने की जानकारी के बाद पुलिस अब इंटरपोल की मदद से उसकी गिरफ्तारी की तैयारी कर रही है 24 नवंबर 2024 को हुए संभल बवाल के मुख्य साजिशकर्ता दीपा सराय निवासी गैंगस्टर शारिक साठा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया है। यह कार्रवाई उसके विदेश भागने की पुष्टि के बाद की गई है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि अब आरोपी की तलाश में इंटरपोल लगेगी। उसके दुबई में होने की जानकारी है। उम्मीद है कि वह जल्द ही पकड़ा जाएगा। वहीं, दूसरी ओर पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह दुबई की एक जेल में बंद है। संभल बवाल पर केंद्रित न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट विधानमंडल में पेश होने के बाद पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई को तेज किया था।इसी क्रम में एलओसी जारी हो सकी है। एसपी ने बताया कि एसआईटी ने बवाल की जांच की थी। जिसमें शारिक साठा मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल था। उसके गिरोह के मुल्ला अफरोज, गुलाम और वारिस ने बवाल में गोलियां चलवाई थीं। जिसमें पांच लोगों की जान गई थी। हत्या के मामले में यह तीनों आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। एसआईटी की पूछताछ में इन गिरफ्तार आरोपियों ने बवाल के दौरान गोली चलाने की बात स्वीकार की थी। उन्होंने शारिक साठा को ही इस पूरे मामले का मुख्य साजिशकर्ता बताया था। तब से पुलिस उसकी घेराबंदी में लगातार लगी हुई थी। उसके दुबई में होने की जानकारी मिलने के बाद उसे भगोड़ा घोषित किया गया था।उसके विरुद्ध पहले ही लुकआउट नोटिस जारी किया जा चुका है। अब इंटरपोल की मदद से उसकी गिरफ्तारी होगी। मालूम हो बवाल के दौरान पांच लोगों की मौत हुई थी लेकिन एक मृतक के परिजनों ने कार्रवाई से इनकार कर दिया था। जिसके चलते पुलिस के रिकॉर्ड में चार ही हत्या के मामले दर्ज हैं। दो करोड़ की संपत्ति जब्त की गई थी, अब बनेगा सीओ कार्यालय- पुलिस ने शारिक साठा के खिलाफ कई कार्रवाई कर दी हैं। इसी क्रम में उसकी दो करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई की जा चुकी है। यह संपत्ति अब शासन के कब्जे में है। यह संपत्ति संभल के दीपा सराय और हिंदूपुरा खेड़ा क्षेत्रों में स्थित है। इस पर सीओ असमोली का कार्यालय बनाया जाना है।आईएसआई से हैं शारिक साठा के संबंध- एसपी ने बताया कि गैंगस्टर शारिक साठा सोना और हथियार की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में शामिल है। वह नकली नोट के धंधे से भी सक्रिय रूप से जुड़ा था। इस मामले के बाद ही उसके संबंध पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से होने की बात सामने आई थी। वह दिल्ली से जेल भी गया था। देश के कुख्यात वाहन चोर के रूप में भी जाना जाता है। उसके खिलाफ वाहन चोरी के मामलों समेत कुल 60 मुकदमे अलग-अलग प्रदेश और जिले में दर्ज हैं।

मुरादाबाद में तेंदुए का आतंक खत्म! सरकड़ा परम में एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद, अब तक 7 का रेस्क्यू

मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में वन विभाग ने सरकड़ा परम गांव से एक और तेंदुए को रेस्क्यू किया है। जिले में अब तक सात तेंदुए पकड़े जा चुके हैं, जबकि तेंदुए के हमले में दो लोगों की मौत हो चुकी है। 19 ट्रैपिंग केज और थर्मल ड्रोन से निगरानी के साथ गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।यूपी के मुरादाबाद जिले में आतंक का पर्याय बना एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ है। ठाकुरद्वारा रेंज के ग्राम सरकड़ा परम में एक तेंदुए को रेस्क्यू करने में वन विभाग की टीम को सफलता मिली है। अब तक सात तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है। जिले के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में तेंदुआ अब तक दो की जान ले चुका है। तेंदुआ के डर के चलते लोग शाम ढलने के बाद घरों से नहीं निकल रहे हैं। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी डॉ. विनय कुमार सिंह ने बताया कि पूरे संवेदनशील क्षेत्र में तेंदुआ दिखाई देने अथवा उसकी गतिविधियों की सूचना वाले गांवों में रेस्क्यू टीमें निरंतर गश्त कर रही हैं। तेंदुआ रेस्क्यू के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में कुल 19 ट्रैपिंग केज लगाए गए हैं। वन विभाग प्रभावित गांवों में आमजन को तेंदुए से बचाव एवं सुरक्षा के उपायों की जानकारी देने के लिए विशेष जन-जागरूकता अभियान चला रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अमरिया से हरिद्वार के लिए डाक कांवड़ यात्रा रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच / सुमित गुप्ता/ पीलीभीत तहसील अमरिया सावन माह के पावन अवसर पर कौशल गुप्ता के नेतृत्व में अमरिया से हरिद्वार के लिए डाक कांवड़ यात्रा बृहस्पतिवार को रवाना हुई।

यात्रा में सैकड़ों शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक सम्मिलित होकर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से माहौल भक्तिमय कर दिया।

कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु रविवार को हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य अमरिया शिव मंदिर की ओर प्रस्थान करेंगे।

यात्रा में शामिल कांवड़िए निर्धारित समय पर पहुंचकर सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे।

कौशल गप्ता ने यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं से अनुशासन एवं आपसी भाईचारे के साथ यात्रा पूर्ण करने की बात कही । सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता से अमरिया का वातावरण भक्तिमय नजर आया और जगह-जगह लोगों ने कांवड़ लेने जा रहे भोलो का स्वागत किया। कौशल गुप्ता के इस यात्रा मे चंद्रपकाश शर्मा सौरभगुप्ता विक्की मौर्य कमल श्रीवास्तव वीरेंद्र गंगवार सर्वेश अरोड़ा रचित गुप्ता संजय मिश्रा बल्लू वर्मा प्रिंस विक्की गंगवार हर्षित गुप्ता रजनीश गुप्ता अनिल भारती अनिल बाल्मीकि समेत हजारों लोग मौजूद रहे

अंतिम सोमवार को लेकर पुलिस अलर्ट, तीन कंपनी पीएसी और आरएएफ तैनात

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सावन के चौथे और आखिरी सोमवार को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में कांवड़ियों के पहुंचने की संभावना है।

भीड़ प्रबंधन के मद्देनजर जिले में शुक्रवार से ही तीन कंपनी पीएसी और एक कंपनी आरएएफ अतिरिक्त रूप से तैनात की गई है। पहले से ही जिलेभर में कांवड़ियों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था व संवेदनशील स्थानों की निगरानी के लिए 3,200 पुलिसकर्मी तैनात हैं। अतिरिक्त फोर्स आने के बाद प्रमुख कांवड़ मार्गों, मंदिरों, चौराहों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि कांवड़ियों के आवागमन वाले मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों पर पुलिस की टीमें तैनात हैं। इसके साथ ही पुलिसकर्मी पैदल गश्त कर रहे हैं। भीड़ बढ़ने की स्थिति में यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए भी ट्रैफिक पुलिस की टीमों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। टीमें प्रमुख चौराहों के साथ कांवड़ रास्तों पर नजर रख रही हैं।

बढ़ रही कांवड़ियों की संख्या- पुलिस के मुताबिक बीते तीन सोमवार की तुलना में चौथे सोमवार से पहले ही कांवड़ियों की संख्या में बढ़ोतरी होने लगी है। कछला से जल लाने वाले जत्थे लगातार उस ओर जा रहे है। रामगंगा समेत बदायूं रोड पर कांवड़ियों के वाहनों की संख्या बढ़ गई है। शनिवार और रविवार को भी इनकी संख्या और अधिक बढ़ सकती है।

पीलीभीत-लखीमपुर से आ रहे जत्थे पुलिस ने अनुमान लगाया था इस सावन में जिले के लगभग 15 लाख कांवड़ियां कछला, हरिद्वार और गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर जलाभिषेक करेंगे। लेकिन इसी बीच बरेली से जुड़े पीलीभीत और लखीमपुर खीरी से भी कांवड़ियों के जत्थे लगातार कछला गंगाजल लेने जा रहे हैं। चौथे सोमवार को देखते हुए इन दोनों जिलों से आने वाले कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

देवरनियां पुलिस के हत्थे चढ़ा अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह, पांच चोरी की बाइक बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। देवरनियां पुलिस ने बाइक चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे और निशानदेही पर चोरी की पांच मोटरसाइकिल, पांच चाबियों के गुच्छे मय मास्टर की, एक मोबाइल फोन और 2110 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त की रात ग्राम कनमन-इटौआ रोड पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो युवकों को रोककर पूछताछ की गई। संदिग्ध बाइक की जांच करने पर उसके चोरी होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने फुरकान पुत्र शब्बू खां निवासी बिलासपुर, रामपुर और छोटे पुत्र रफीउल्ला निवासी शीशगढ़, बरेली को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे तीन लोगों का गिरोह बनाकर बाइक चोरी करते थे। गिरोह में शामिल शाने आलम बाइक मैकेनिक है। चोरी की बाइक को ईंट भट्ठे के खंडहरनुमा मकान में छिपाकर रखा जाता था। इसके बाद चेसिस नंबर मिटाकर पहचान छिपाई जाती और फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बाइक को असली बताकर बेच दिया जाता था। जो बाइक नहीं बिकती थी, उसे काटकर कबाड़ में बेच दिया जाता था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चार और चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इस तरह कुल पांच चोरी की बाइक पुलिस के हाथ लगीं। बरामद वाहनों के वास्तविक स्वामियों से संपर्क कर आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में तीसरे आरोपी शाने आलम समेत अन्य के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक फुरकान के खिलाफ रामपुर में चोरी, धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज और आर्म्स एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं, जबकि छोटे के खिलाफ भी पूर्व में मुकदमा दर्ज रहा है। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। बरामदगी एक नजर में 05 मोटरसाइकिल 7 05 चाबियों के गुच्छे मय मास्टर की 7 01 मोबाइल फोन 7 ?2110 नकद कार्रवाई में थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी, व0उ0नि0 विपिन तोमर, उ0नि0 पुष्पेन्द्र शर्मा समेत देवरनियां पुलिस टीम शामिल रही।

मेरिट से 570 आंगनबाड़ी सहायिकाओं का चयन, हाथों में पहुंचे नियुक्ति पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आईएमए हाल में 570 नवचयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, नवाबगंज विधायक एमपी आर्य, सीडीओ देवयानी सहित अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी रही। 705 रिक्त पदों में से 570 पर चयन किया गया है, जबकि शेष 135 पदों पर जल्द चयन होगा। पात्र विधवा, परित्यक्ता एवं अन्य महिलाओं का मेरिट के आधार पर चयन किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने नवचयनित सहायिकाओं को बधाई देते हुए बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

सीडीओ ने कहा कि सहायिकाओं को प्रशिक्षण देकर पोषण ट्रैकर पर फीडिंग समेत अन्य कार्यों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बच्चों को पोषण, शिक्षा और संस्कार देने के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों पर नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में मारी टक्कर, मजदूर की मौत; बेटा बाल-बाल बचा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली-बीसलपुर मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर और बाइक की जोरदार टक्कर में 30 वर्षीय मजदूर राममोहन की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के समय बाइक पर सवार उनका 10 वर्षीय बेटा मुनीश बाल-बाल बच गया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। भुता पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है।

भुता थाना क्षेत्र के डांडिया हेतराम निवासी राममोहन मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार को वह बेटे मुनीश को बाइक पर बैठाकर पत्नी के मामा के घर फैजनगर जा रहे थे। बरेली-बीसलपुर मुख्य मार्ग पर उनकी बाइक की डंपर से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि राममोहन बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनका बेटा सुरक्षित बच गया।

अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम- हादसे की सूचना पर भुता पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से घायल राममोहन को अस्पताल भिजवाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर फरार हो गया। पुलिस आसपास के रास्तों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर डंपर की पहचान और चालक की तलाश में जुटी है।

दो दिन पहले ही नीलकंठ से लौटे थे परिजनों के मुताबिक राममोहन करीब दो दिन पहले ही नीलकंठ से घर लौटे थे। उनके तीन बेटे हैं और मजदूरी ही परिवार की आय का मुख्य साधन थी। उनकी अचानक मौत से परिवार में कोहराम मचा है। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। कमाऊ सदस्य की मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है।

गरीबों को 5 किलो चीनी मुफ्त दे सरकार , महंगाई पर व्यापार मंच ने उठाई मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। चीनी के भाव में दिया है। चीनी लगातार महंगी होती जा रही है। बरेली में 65 रुपये किलो तक पहुंच गई है। महंगाई को देखते हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंच ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक मांग पत्र डीएम को सौंपा है। इस मांग के साथ कि गरीब परिवारों को राशन की दुकानों से हर माह पांच किलो मुफ्त चीनी दी जाए।

ज्ञापन में व्यापारियों ने कहा कि चीनी रोजाना की जरूरत है। इसके दाम बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की रसोई का बजट बिगड़ रहा है। उनका आरोप है कि सरकार की नीतियों के कारण चीनी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।नीतियों से महंगाई बढ़ी- एक ओर गन्ना किसानों की आय में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। दूसरी तरफ बाजार में चीनी महंगी होती जा रही है। व्यापार मंच ने एथेनॉल उत्पादन को लेकर भी सवाल उठाए। कहा कि एथेनॉल पर अधिक जोर देने से चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर असर पड़ रहा है। साथ ही एथेनॉल मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल से वाहन स्वामियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।आम आदमी का बिगड़ा बजट- व्यापारियों ने अपनी मांग में कहा कि रसोई गैस, अनाज, डीजल, पेट्रोल समेत रोजमर्रा की कई चीजों के दाम बढ़ने से पहले ही लोगों का बजट बिगड़ा हुआ है। ऐसे में चीनी की बढ़ती कीमत से आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

मंच ने सरकार से तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की।चेताया भी है कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जनहित में आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, जिला महामंत्री फुरकान शम्सी, जिला कोषाध्यक्ष प्रथमेश गुप्ता, महानगर अध्यक्ष सय्यद गोहर अली, महानगर महामंत्री सतीश भसीन और महानगर कोषाध्यक्ष हरिओम अग्रवाल शामिल रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

चीनी की कालाबाजारी पर सख्ती, 400 एमटी से अधिक स्टॉक पर होगी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में चीनी की उपलब्धता और बढ़ते दामों को लेकर बैठक हुई। थोक विक्रेताओं ने बताया कि जनपद में चीनी की कोई कमी नहीं है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कोई भी थोक विक्रेता शासनादेश के अनुसार 400 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का भंडारण नहीं करेगा। जांच में अनियमित भंडारण मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। व्यापारियों को मांग से अधिक चीनी न देने और प्रत्येक बिक्री का विवरण रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए। फरीदपुर चीनी मिल के जीएम ने बताया कि 21 अगस्त को मिल में 56,330 कुंतल चीनी का स्टॉक उपलब्ध था। जिलाधिकारी ने चीनी की कालाबाजारी और अनियमित भंडारण पर सख्त निगरानी के निर्देश दिए।

कांवड़ सहायता केन्द्र और सीबीगंज थाने का एसपी सिटी ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक द्वारा कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत झुमका तिराहा स्थित कांवड़ पुलिस सहायता केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की सतर्कता, ड्यूटी व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके बाद एसपी सिटी द्वारा झुमका तिराहा क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था देखी गई और पीआरवी ड्यूटी को भी चेक किया गया। तत्पश्चात थाना सीबीगंज का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना परिसर, अभिलेखों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को जनशिकायतों के त्वरित निस्तारण, अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस ने दुष्कर्मी को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। शनिवार को पुलिस ने नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी युवक महेश कुमार को जेल भेज दिया। एक को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।जबकि दो फरार है। इलाके की एक महिला ने उसकी नाबालिक बेटी के साथ शादी शुदा पड़ोसी महेश कुमार और तीन उसके चचेरे भाइयों के द्वारा अलग अलग समय दुष्कर्म करने का आरोप लगाकर तहरीर दी थी।जिस पर पुलिस ने चारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।पुलिस के द्वारा महेश कुमार एक अन्य को हिरासत में लेकर जांच पड़ताल करने के दौरान महेश कुमार ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।साथ ही कोर्ट में हुए कलम बंद व्यान में भी पीड़िता ने चारों के द्वारा दुष्कर्म करने की बात कही।जिस पर पुलिस ने शनिवार को महेश कुमार को कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया।जबकि एक हिरासत में है।थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने बताया पूछताछ के दौरान महेश कुमार ने दुष्कर्म करना कबूल किया था।जिसके चलते उसे जेल भेज दिया।बाकी तीन उसके चचेरे भाई है।तीन सगे भाई एक नाबालिक के साथ दुष्कर्म करना संदिग्ध लग रहा है।

आज ही के दिन टूटा था पूर्वांचल के आतंक का तिलिस्म, 50 हजार के इनामी 'बुढ़वा' एनकाउंटर में ढेर

तत्कालीन अजय साहनी ने स्वीकार की थी खुली चुनौती

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली, आजमगढ़। करीब एक दशक तक मऊ, आजमगढ़ और आसपास के इलाकों में आतंक का पर्याय रहे कुख्यात अपराधी सुजीत सिंह उर्फ 'बुढ़वा' का 18 अगस्त 2017 को पुलिस मुठभेड़ में अंत हो गया था। ष्ठ-9 गैंग के सरगना सुजीत पर हत्या, लूट, डकैती और रंगदारी समेत 40 से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज थे। व्यापारियों और डॉक्टरों से रंगदारी वसूलना तथा विरोध करने पर हत्या करना उसकी अपराध शैली का हिस्सा था। 11 अगस्त 2017 को पुलिस अभिरक्षा से हुआ था फरार मऊ से रामपुर जेल ले जाते समय शौच का बहाना बनाकर सुजीत पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ आजमगढ़-जौनपुर क्षेत्र में कई वारदातों को अंजाम देकर गैंग को फिर सक्रिय करने की कोशिश की। उसकी बढ़ती गतिविधियों पर पुलिस ने उस पर इनाम बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया। शारदा चौक से शुरू हुई मुठभेड़, कांशीराम कॉलोनी में हुआ अंत 18 अगस्त को शारदा चौक पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने फायरिंग कर दी, जिसमें सिपाही आनंद घायल हो गए। पीछा करते हुए पुलिस टीम ने सठियांव चौराहे के पास गजहड़ा स्थित कांशीराम आवास कॉलोनी में बदमाशों को घेर लिया। बदमाशों की फायरिंग में एसओ मुबारकपुर और स्वाट सिपाही अवधेश सिंह भी घायल हुए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 50 हजार का इनामी सुजीत सिंह उर्फ 'बुढ़वा' मारा गया, जबकि उसका साथी भागने में सफल रहा। यह कार्रवाई तत्कालीन एसपी आजमगढ़ अजय साहनी के नेतृत्व में बड़ी उपलब्धि मानी गई। बाद में उनके साहसिक पुलिस अभियानों के लिए उन्हें प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कार से भी सम्मानित किया

कृष्ण-सुदामा मिलन प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावविभोर किया

भागवत कथा के विश्राम दिवस पर पत्रकारों व आयोजन समिति के सदस्यों का हुआ सम्मान

बिलारी। श्रीराम मैरिज होम स्टेशन रोड पर चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शनिवार को विश्राम हुआ। विश्राम दिवस पर कथा व्यास श्री राधा माधव दास श्रीधाम वृंदावन ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम सखा सुदामा के दिव्य मिलन का अत्यंत भावपूर्ण प्रसंग सुनाया।

कृष्ण-सुदामा मिलन का प्रसंग सुनकर कथा पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा व्यास ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता गुरु संदीपन के आश्रम से प्रारंभ हुई थी। समय बीतने के साथ श्रीकृष्ण द्वारिकाधीश बन गए, जबकि सुदामा अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत करते रहे। इसके बावजूद भगवान श्रीकृष्ण के मन में अपने सखा सुदामा के प्रति प्रेम और आत्मीयता में कभी कोई कमी नहीं आई। सुदामा जब द्वारका पहुंचे तो भगवान श्रीकृष्ण स्वयं उन्हें लेने दौड़े और प्रेमपूर्वक उनका स्वागत किया। यह प्रसंग सच्ची मित्रता, प्रेम और भगवान की भक्तवत्सलता का अद्भुत उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि सच्चे रिश्ते धन, पद और प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और निस्वार्थ भावना से बनते हैं। मित्रता ऐसी होनी चाहिए जिसमें स्वार्थ का कोई स्थान न हो और सुख-दुःख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने का भाव हो। सुदामा की भक्ति, संतोष और सरलता तथा भगवान श्रीकृष्ण का अपने भक्त और मित्र के प्रति प्रेम यह संदेश देता है कि प्रभु के दरबार में व्यक्ति की आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि उसकी भावना और भक्ति महत्वपूर्ण होती है। कथा के दौरान पूरा पंडाल राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष से गूंज उठा।

श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण वातावरण में कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर कथा व्यास ने पत्रकार बंधुओं, भागवत कथा आयोजन समिति के सदस्यों तथा सहयोगियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया। भावेश चौधरी और जिला पंचायत सदस्य मंजू रानी चौधरी को भी सम्मानित किया गया।

श्री महाकालेश्वर सेवा समिति की ओर से 23 अगस्त को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कथा आयोजन में महेंद्र सिंह यादव, राजेश ठाकुर, दक्ष चौधरी, श्री कुमार गुप्ता, जगपाल सिंह, बंटी गुप्ता, सुधीर ठाकुर, संजीव शर्मा, राजीव भारद्वाज, संजय राणा, पिंटू चौधरी, कुलदीप चौधरी, शीलू गुप्ता, विक्की शर्मा आदि ने सहयोग प्रदान किया।

इस दौरान राम सिंह बानपस्ती, अखिल विश्व गायत्री परिवार के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, सुखबीर सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

बिलारी के प्रथम विधायक हाजी मोहम्मद इरफान को 75वें जन्मदिन पर किया याद

जिला टॉपर इल्मा नूर को शील्ड देकर किया सम्मानित

बिलारी, नगर के डाक बंगला के निकट स्थित रॉयल पब्लिक स्कूल में स्कूल के संस्थापक एवं बिलारी के प्रथम विधायक मरहूम हाजी मोहम्मद इरफान के 75वें जन्मदिन के अवसर पर विचार गोष्ठी आयोजित कर उन्हें खिराजे-अकीदत पेश किया गया। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, सामाजिक सरोकारों, शैक्षिक सोच और बिलारी विधानसभा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों को याद करते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान यूपी बोर्ड परीक्षा में जिले में चौथा स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा इल्मा नूर को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना हाजी मोहम्मद इरफान की शिक्षा संबंधी सोच को आगे बढ़ाने का बेहतर माध्यम है।

बिलारी विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने अपने वालिद को याद करते हुए कहा कि उनके पिता बिलारी विधानसभा क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि मेरे पिता मेरे वालिद होने के साथ-साथ मेरे गुरु भी थे। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में विकास के अनेक कार्य कराए और गांवों को सड़कों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

प्रधान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट ने कहा कि हाजी मोहम्मद इरफान विधायक होने के साथ-साथ अच्छे अधिवक्ता भी थे। उन्होंने प्रदेश की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

वह तुर्क कबाइल फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा तहसील बार एसोसिएशन बिलारी के अध्यक्ष भी रहे। डॉ. विश्वास शर्मा ने कहा कि हाजी मोहम्मद इरफान को बिलारी विधानसभा क्षेत्र में गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने के लिए याद किया जाता है। वह निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करते थे और समाज के सभी वर्गों के लोगों से उनके आत्मीय संबंध थे।

इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष इस्तियाक सैफी, लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव रेहान पाशा, पूर्व अध्यक्ष गन्ना समिति अरविंद मोहन, पूर्व सभासद गजराम वाल्मीकि, गौरव रावत, गौरव गुप्ता, डॉ. राकेश रफीक, कसीम आजाद, अब्दुल कुद्दुस एडवोकेट, शमीम इदरीसी प्रधान, आईटीएम ग्रुप के प्रशासक आरिफ पाशा, भूरा पहलवान, मास्टर रईस आलम, जावेद अंसारी, फैसल इरफान, इंजीनियर मोहम्मद वसीम आदि ने विचार व्यक्त किए।

गीतकार प्रशांत गुप्ता ने हाजी मोहम्मद इरफान को समर्पित 'वालिद के नक्शे कदम' गीत लॉन्च किया। गीत की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में सभासद जरीफ अंसारी, चंद्रकेश यादव, सभासद इस्लाम मसूदी, सभासद आमिल सिद्दीकी, जाकिर मलिक, हसनैन प्रधान, आदिल मुंशी, अब्दुल वारिस अंसारी, सत्तार अली, अभिनव चौधरी,जावेद नेता, तस्लीम, फिरोज पाशा, राजीव शर्मा, जयशिव गुप्ता, संजीव गुप्ता, संजय ठाकुर, बाकार यूनुस प्रधान, जहांगीर प्रधान, नईम एडवोकेट, ताहिर एडवोकेट, सुलेमान, रियाज पूर्व प्रधान, साजन शर्मा, सफीन प्रधान, शिशुपाल यादव, मुजीब प्रधान, सद्दाम सैफी प्रधान, चिराग अग्रवाल, अकरम सैफी, अकरम मलिक, डॉ. अरकान, सुलेमान कौसर, कपिल राज वाल्मीकि, सालिम सैफी, वसीम मुखिया, जीशान प्रधान समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन प्रबंधक मोहम्मद हस्सान उर्फ फैजी ने किया, जबकि संचालन आफाक हुसैन एडवोकेट ने किया। उधर, तहसील बार एसोसिएशन बिलारी की ओर से भी विचार गोष्ठी आयोजित कर बिलारी के प्रथम विधायक एवं पूर्व बार अध्यक्ष मरहूम हाजी मोहम्मद इरफान को खिराजे-अकीदत पेश किया गया। अधिवक्ताओं ने उनके न्यायिक, सामाजिक और राजनीतिक जीवन को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अधिवक्ता और जनप्रतिनिधि के रूप में बिलारी क्षेत्र की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे लंबे समय तक याद किया जाता रहेगा।

भाजपा की नई टीम से मिले पीएम मोदी, पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ खिंचवाई तस्वीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम के पदाधिकारियों से मुलाकात की और उनके साथ तस्वीर खिंचवाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने पार्टी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ मुलाकात की और उनके साथ तस्वीर भी खिंचवाई। इस दौरान भाजपा की नई टीम के सदस्य प्रधानमंत्री के साथ नजर आए। पार्टी मुख्यालय में इस मुलाकात को संगठन के लिहाज से अहम माना जा रहा है।भाजपा में हाल ही में संगठनात्मक बदलाव के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई टीम का गठन किया है। नई टीम के गठन के बाद प्रधानमंत्री का पार्टी मुख्यालय पहुंचना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरान संगठन से जुड़े मुद्दों, नई जिम्मेदारियों और पार्टी की आगे की रणनीति को लेकर चर्चा और मंथन की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार से जल लेकर लौटे कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर लौटे भुता के आदि शक्ति दुर्गा समिति के कांवड़ियों के जत्थे का शनिवार को कस्बे में ग्राम वासियों व भाजपा पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया। कांवड़ियों के पहुंचते ही हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया।कांवड़ियों का यह जत्था हरिद्वार से जल लेकर लौटा है, और सोमवार को गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेगा। कस्बा भुता में आदि शक्ति दुर्गा समिति के निशांत कुमार 150 कांवड़ियों का जत्था हर वर्ष बड़ी संख्या में हरिद्वार से गंगाजल लेकर गोला गोकर्णनाथ जाते हैं। इस दौरान रेशम सिंह ढिल्लो प्रशांत सिन्हा, देव सक्सेना, रामखिलावन मिश्रा, कुलदीप गंगवार, हरीश मौर्य, त्रिभुवन गंगवार सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

यूपी में रफ्तार का कहर: दिल्ली की राह में मौत ने रोका परिवार, रोडवेज बस की टक्कर से दंपती की मौत; भाई गंभीर

दंपती के शवों को देखते ही परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों के विलाप को देख जिला चिकित्सालय में मौजूद लोगों की आंख भी नम हो गई। बताया कि असलम की करीब ढाई साल पहले शादी हुई थी। उनके कोई संतान नहीं है। यूपी के बुलंदशहर जनपद संभल के गांव धनारी तहसील गुन्नौर निवासी बाइक सवार दंपती और उनके भाई को थाना सलेमपुर क्षेत्र में मेरठ-बदायूं स्टेट हाईवे पर गांव चित्सौन के पास कौशांबी डिपो की रोडवेज ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल दंपती की मौत हो गई। घायल भाई का अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रोडवेज को कब्जे में लेते हुए चालक को हिरासत में लिया। हादसे की जानकारी होने पर जिला चिकित्सालय पहुंचे परिजन दंपती के शवों को देखते ही बिलख उठे। अस्पताल में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। दंपती भाई के साथ गांव से बाइक से दिल्ली जा रहे थे। दिल्ली में कारपेंटर का काम करता था असलम- गांव धनारी, तहसील गुन्नौर जनपद संभल निवासी गुलाम मोहम्मद ने बताया कि उनका भतीजा असलम 32 वर्ष दिल्ली में कारपेंटर का कार्य करते थे। परिवार के साथ दिल्ली की खोड़ा कॉलोनी में रहते थे। परिवार के लोगों से मिलने के लिए वह घर आए थे। शुक्रवार की रात में असलम पत्नी हीना (24 वर्ष) और छोटे भाई राजू (15 वर्ष) के साथ बाइक से खोड़ा जा रहे थे। रात करीब दस बजे मेरठ-बदायूं स्टेट हाईवे पर चित्सौन के पास सामने से आ रहे रोडवेज के चालक ने तेजी और लापरवाही के साथ बस को चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। परिवार में मातम- हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दंपती असलम और हीना को मृत घोषित कर दिया। वहीं, राजू की हालत गंभीर होने के चलते उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया कि राजू का अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। दंपती की हादसे में मौत होने और भाई के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना पर उनके परिवार में मातम छा गया। परिवार के लोग ग्रामीणों के साथ जिला चिकित्सालय पहुंचे। असलम की ढाई साल पहले हुई थी शादी- दंपती के शवों को देखते ही परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों के विलाप को देख जिला चिकित्सालय में मौजूद लोगों की आंख भी नम हो गई। बताया कि असलम की करीब ढाई साल पहले शादी हुई थी। उनके कोई संतान नहीं है। ग्रामीण शकील, गुलफाम आदि ने बताया कि असलम के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है। परिजनों और ग्रामीणों ने आर्थिक सहायता दिलाने की भी मांग की। परिवार के इकलौते कमाने वाले असलम- मृतक असलम के चाचा गुलाम मोहम्मद ने बताया कि असलम के पिता की 10 वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी। असलम परिवार में सबसे बड़े थे। उनसे छोटी बहन चांदनी (20 वर्ष), भाई राजू (15 वर्ष), बहन रूकसाना (12 वर्ष) है। पिता की मौत के बाद परिवार के पालन पोषण की जिम्मेदारी असलम पर आ गई थी। वह दिल्ली में कार्य कर परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। अब असलम की मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो जाएगा। असलम हादसे में असमय मौत से जहां परिवार के लोगों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, अब उनकी गुजर-बसर को लेकर भी परिवार और गांव के लोग चिंतित हैं। हादसे को लेकर गांव में भी शोक का माहौल है। दो माह बाद थी बहन की शादी- गुलाम मोहम्मद ने बताया कि असलम ने बहन चांदनी का रिश्ता गांव सैदवा जनपद संभल में तय कर दिया था।

सार्वजनिक स्थानों पर उत्पात मचाने वालों पर कोतवाली पुलिस की कार्रवाई, 13 गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शहर के सार्वजनिक स्थानों, पार्कों और आमजन के आवागमन वाले क्षेत्रों में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोतवाली पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर उत्पात मचाकर लोगों में भय का माहौल पैदा करने वाले 13 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

इसी क्रम में 21 अगस्त को पुलिस को जेल के पास बड़ौदी, कमलागंज, गांधी पार्क, लालमाटी और पुराने रेलवे स्टेशन के पास कुछ व्यक्तियों द्वारा उत्पात किए जाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीमों ने तत्काल मौके पर दबिश देकर 13 लोगों को पकड़ा।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राशिद (24), शनि जाटव (26), राजू जाटव (30), मोहन कुशवाह (35), रवि धाकड़ (30), सूरज (22), दीपक (32), विजय जाटव (40), देवेन्द्र (32), दिलीप जाटव (30), आदित्य जाटव (18), मनोज शाक्य (22) और धर्मेन्द्र राठौर (35) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ इस्तगासा क्रमांक 128 से 140/26 के तहत धारा 170, 126/135(3) बीएनएसएस में कार्रवाई की गई। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर के पार्कों, मुख्य चौराहों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों में लगातार पुलिस बल तैनात रहेगा तथा आमजन को परेशान करने और असामाजिक गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे, उपनिरीक्षक सुमित शर्मा सहित प्रधान आरक्षक गजेन्द्र परिहार, बाबूलाल, विपिन भदौरिया, हरीकृष्ण यादव, भगवत चतुर्वेदी एवं अवतार सिंह की विशेष भूमिका रही।

नटेरन पुलिस की त्वरित कार्रवाई–मोटर साइकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 80 हजार कीमत की चोरी की बाइक बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 23 जुलाई 2026 को फरियादी छोटू पिता रहीस शाह, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम पड़रिया जागीर, थाना नटेरन द्वारा अपनी काले रंग की होंडा शाइन एसपी मोटर साइकिल क्रमांक MPy0 ZK4321 चोरी होने की रिपोर्ट थाना नटेरन में दर्ज कराई गई थी। फरियादी के अनुसार मोटर साइकिल घर के बाहर दहलान में खड़ी थी, जिसे अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया था। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना नटेरन में अपराध क्रमांक 194/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस की कार्यवाही- पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी द्वारा चोरी की घटनाओं में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं चोरी की संपत्ति की बरामदगी के निर्देश दिए गए। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गंजबासौदा श्रीमती शिखा भलावी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी नटेरन निरीक्षक वीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान प्राप्त भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्यों तथा मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी अरविंद उर्फ तस्वीरा पिता हमीर सिंह वंशकार, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम आमखेड़ा सूखा, थाना नटेरन, जिला विदिशा को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से प्रकरण में चोरी की गई होंडा शाइन एसपी मोटर साइकिल क्रमांक MPy0 ZK4321 बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 80,000/- है। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तार आरोपी- अरविंद उर्फ तस्वीरा पिता हमीर सिंह वंशकार, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम आमखेड़ा सूखा, थाना नटेरन, जिला विदिशा। बरामद मशरूका- होंडा शाइन एसपी मोटर साइकिल क्रमांक MPy0 ZK4321 अनुमानित कीमत = 80,000/सराहनीय भूमिका- उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी नटेरन निरीक्षक वीरेंद्र कुमार, सउनि महेश कुशवाह, प्रधान आरक्षक श्याम राजपूत, आरक्षक धर्मेंद्र अहिरवार एवं आरक्षक सूरज गुर्जर की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर नें कछला गंगा घाट एवं कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के लक्ष्य के साथ सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक कुमार सिंह द्वारा कछला गंगा घाट एवं कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया । श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं आवश्यक सुविधाओं से संबंधित तैयारियों का गहनता से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । निरीक्षण के दौरान कछला गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, घाट की सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा घाट एवं कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ एवं सतर्क रखी जाए । कांवड़ यात्रा के दौरान संभावित भीड़ एवं यातायात के दृष्टिगत रूट डायवर्जन, पार्किंग व्यवस्था, बैरियर, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन एवं वैकल्पिक मार्गो की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने संबंधित पुलिस एवं यातायात कर्मियों को निर्देशित किया कि निर्धारित यातायात व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए, जिससे कांवड़ियों, श्रद्धालुओं एवं आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो । यातायात व्यवस्था के संबंध में निर्देशित किया गया कि बाईपास की ओर नवनिर्मित हाईवे पर कछला की ओर से दोपहिया वाहन उझानी की ओर जा सकेंगे, लेकिन वापसी की अनुमति नहीं होगी । दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल से आगे जाने की अनुमति नहीं होगी । सोरों साइड में डीजे वाहनों के लिए पृथक पार्किंग की व्यवस्था की गई है। प्रभारी निरीक्षक उझानी एवं यातायात निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि किसी भी वाहन को पुल अथवा घाट की ओर अनधिकृत रूप से जाने न दिया जाए तथा यातायात व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए । अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्ग, प्रमुख चौराहों, संवेदनशील स्थलों एवं कछला गंगा घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को पूर्णतः सुदृढ़ एवं सतर्क रखा जाए । सभी ड्यूटी प्वाइंट पर नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सतर्कता, अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा श्रद्धालुओं की सहायता एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें । अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने, भीड़ नियंत्रण, आपात स्थिति से निपटने तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। पुलिस बल को लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए गए ।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने कहा कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना प्रशासन एवं पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी । निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी उझानी श्री सुनील कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक उझानी श्री प्रवीण कुमार सिंह, चौकी प्रभारी कछला व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

नातिन पर पड़ी नाना की गंदी नजर: सात साल की मासूम संग की दरिंदगी, बचाने आए भाई की पीटा; पीड़िता की हालत नाजुक

बच्ची पिछले दो-तीन दिनों से अस्वस्थ थी। बाद में बच्चों ने घटना की जानकारी नोएडा से घर लौटी नानी को दी। नानी ने बच्ची को निजी चिकित्सक को दिखाया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसकी मां को सूचना दी गई। फिलहाल मासूम अस्पताल में भर्ती है। यूपी के हापुड़ स्थित धौलाना थाना क्षेत्र के गांव में सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़िता को चिकित्सकीय जांच और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया है। बच्ची भाई के साथ रहती है नानी के घर- सीओ पिलखुवा मुनीश चंद्र ने बताया कि सात वर्षीय बच्ची अपने 10 वर्षीय मानसिक रूप से कमजोर भाई के साथ उसकी नानी के घर रहती है। पीड़िता की मां हरियाणा में रहती है, जबकि नानी नोएडा में घरेलू काम करती हैं। नाना के भाई ने तीन पहले किया दुष्कर्म- आरोप है कि नाना के छोटे भाई ने तीन दिन पहले मौका पाकर बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

बच्ची के भाई ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर उसे डराया। बच्ची ने नानी को बताया दर्द पुलिस के अनुसार, बच्ची पिछले दो-तीन दिनों से अस्वस्थ थी। बाद में बच्चों ने घटना की जानकारी नोएडा से घर लौटी नानी को दी। नानी ने बच्ची को निजी चिकित्सक को दिखाया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसकी मां को सूचना दी गई। हरियाणा से पहुंची मां ने देर रात डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। बच्ची की हालत नाजुक- सूचना मिलते ही पीआरवी-8 और थाना धौलाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने रात करीब 11 बजे बच्ची को अपने संरक्षण में लेकर उपचार के लिए सीएचसी धौलाना भेजा। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल हापुड़ रेफर किया गया। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपी की तलाश में दबिश दे रही पुलिस- सीओ ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। पीड़िता की आवश्यक चिकित्सकीय जांच और अन्य विधिक कार्रवाई कराई जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया है, जो उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं।

मालिक छेड़ता है: ग्रेनो में 10वीं मंजिल से गिरकर मोनिका की मौत, फटे हुए थे कपड़े; परिवार नहीं देख सका लाश

शिकायत में सबसे गंभीर आरोप यह लगाया गया है कि मोनिका ने घर पर बताया था कि फ्लैट मालिक ने उसके साथ तीन-चार बार छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार किया था। जिसकी जानकारी उसने मालकिन को भी दी थी। इससे नाराज होकर मोनिका एक बार काम छोड़कर घर वापस भी आ गई थी, लेकिन मालकिन के मनाने पर वह दोबारा काम पर लौट गई।ग्रेटर नोएडा सेक्टर-142 थाना क्षेत्र की एक सोसाइटी की 10वीं मंजिल से 20 वर्षीय युवती की गिरने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन ने मामले में हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।तीन साल से आया का काम करती थी मोनिका- सेक्टर-168 में रहने वाली मोनिका पिछले तीन साल से सेक्टर 137 की सोसाइटी गुलशन विवांता में बच्चे की देखभाल करने वाली आया (नैनी) के रूप में काम कर रही थी। शुक्रवार की रात करीब साढ़े आठ बजे पुलिस के फोन से सूचना मिली कि मोनिका ने बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली है।परिवार को सोसाइटी के अंदर जाने से रोका- मृतका के परिजन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्हें सोसाइटी के अंदर तक जाने नहीं दिया गया। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद न तो शव दिखाया गया और न ही स्पष्ट बताया गया कि शव को कहां ले जाया जा रहा है। परिवार का आरोप- पुलिस ने की बदसलूकी- परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने बिना बताए एम्बुलेंस मंगवाकर शव को सोसाइटी से बाहर भेज दिया, जिसे रोकने की कोशिश परिवार के सदस्यों ने की, लेकिन असफल रहे। देर रात बताया गया कि शव पोस्टमार्टम के लिए सेक्टर-94 शवगृह भेजा गया है। जहां भी सुबह तक शव नहीं दिखाया गया। परिवार ने पुलिस पर बदसलूकी करने और गिरफ्तारी की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। मोनिका ने बताया था- मालिक करता है छेड़छाड़- शिकायत में सबसे गंभीर आरोप यह लगाया गया है कि मोनिका ने घर पर बताया था कि फ्लैट मालिक ने उसके साथ तीन-चार बार छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार किया था। जिसकी जानकारी उसने मालकिन को भी दी थी। इससे नाराज होकर मोनिका एक बार काम छोड़कर घर वापस भी आ गई थी, लेकिन मालकिन के मनाने पर वह दोबारा काम पर लौट गई। 20 अगस्त को मोनिका को एक फोन कॉल आने के बाद वह अचानक विचलित दिखी, लेकिन इसके बावजूद वह उसी दिन दोपहर करीब डेढ़ बजे फिर से काम पर लौट गई थी। परिजनों ने आशंका जताई है कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या है। फटे हुए थे मोनिका के कपड़े- शव की तस्वीरों में मोनिका के कपड़े फटे हुए नजर आए। जिससे शारीरिक शोषण की आशंका और गहरी हो गई है। शिकायतकर्ता जगत सिंह ने थाना प्रभारी से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो। आरोपी दंपती को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। फ्लैट को सील कर फोरेंसिक जांच कराई जाए ताकि सबूतों से छेड़छाड़ न हो सके। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश- फिलहाल पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश देखा जा रहा है। वहीं पुलिस का कहना है कि पुलिस मृतका के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

उफान पर गंगा: यूपी में हाहाकार, वाराणसी में छतों पर हो रहा अंतिम संस्कार, तो गाजीपुर-कन्नौज में फसलें बर्बाद

उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से गंगा समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। वाराणसी में सभी 84 घाट डूब गए हैं। मणिकर्णिका घाट की छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती भी छत पर कराई जा रही है। कन्नौज में तटवर्ती गांवों में गंगा का पानी घुसने का खतरा बढ़ गया है। वहीं गाजीपुर में गंगा का पानी खेतों में आने से 230 बीघा फसल जलमग्न हो गई। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और बैराजों से छोड़े जा रहे लाखों क्यूसेक पानी के कारण गंगा, यमुना समेत कई नदियां खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। राज्य के कई जिलों में बाढ़ ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। खेतों से लेकर आबादी वाले इलाकों और धार्मिक घाटों तक पानी भर गया है। वाराणसी- 84 घाट डूबे, मणिकर्णिका की छत पर हो रहा शवदाह- काशी में गंगा और वरुणा नदी दोनों उफान पर हैं। गंगा खतरे के निशान से मात्र 1.24 मीटर नीचे है। शहर के सभी 84 घाट पूरी तरह डूब चुके हैं। अस्सी घाट पर %सुबह-ए-बनारस% का मंच और नमो घाट जलमग्न हो गए हैं और नौका संचालन ठप है। जलस्तर बढ़ने से शवदाह में भारी परेशानी आ रही है। महाश्मशान मणिकर्णिका घाट की छत और हरिश्चंद्र घाट की गलियों में अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। लकड़ियां गीली होने और जगह कम होने के कारण परिजनों को 2 से 3 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है।प्रयागराज- खतरे की ओर बढ़ता जलस्तर, 180 लोग राहत शिविर में- कानपुर, नरौरा और हरिद्वार से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण संगम नगरी में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

फाफामऊ, छतनाग और नैनी में गंगा-यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। यमुनापार के शंकरगढ़ इलाके में टोंस और लोनी नदी के उफान से बराडीह, इटवा समेत कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। प्रशासन ने करीब 180 प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालकर लोनीपार स्थित राहत शिविरों (स्कूलों) में पहुंचाया है।गाजीपुर- 230 बीघा फसल जलमग्न, मवेशियों के चारे का संकट- बाढ़ के कारण गाजीपुर में किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिले की चार तहसीलों में करीब 230 बीघा फसल (ज्वार, बाजरा, चरी और सब्जियां) बाढ़ के पानी में डूब चुकी है। चरी के बर्बाद होने से मवेशियों के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। घाटों से शहर के नालों में गंगा का पानी बैकफ्लो कर रहा है। गहमर और भांवरकोल क्षेत्र में कटान तेज हो गया है, जिससे कई मंडा भूमि गंगा में समा गई है।कन्नौज- आबादी की ओर बढ़ रहा बाढ़ का पानी- कन्नौज के तटवर्ती गांवों में बाढ़ का खौफ बढ़ता जा रहा है। कासिमपुर गांव में गंगा का पानी झोपड़ियों तक पहुंच गया है और मुख्य रास्तों की पुलिया के ऊपर से बह रहा है। ग्रामीण इस बात से चिंतित हैं कि राहत की गाड़ियां पहले पहुंचेंगी या बाढ़ का पानी। हालांकि, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी के अनुसार प्रशासन की टीम लगातार निगरानी कर रही है और स्थिति नियंत्रण में है।

Whether it's a vacation or an outing with friends, this look by Tejasswi Prakash is perfect; you can also take styling tips.

Tejaswi Prakash's casual and vibrant look is perfect for a vacation or an outing with friends. Whether planning an outing with friends or relaxing on a vacation in Goa, every girl wants an outfit that is both stylish and comfortable. If you're looking for such an outfit, this look by famous TV actress Tejasswi Prakash is perfect for you. Tejasswi often attracts attention with her glamorous looks. This casual look is perfect for your vacation or day out. Let's decode Tejasswi Prakash's look and some styling tips. Casual and Vibrant Look - Tejasswi Prakash chose a beautiful and colorful ankle-length dress for this look. The dress's most striking features were its vibrant color combination and geometric pattern. This single-strap dress, made of purple, mustard, and pink hues, looked stunning and gave off perfect vacation vibes. The dress had a frill-like finish at the bottom, which further enhanced its silhouette. Flawless and Minimal Makeup: To balance out this bright dress, Tejasswi kept her makeup very light and sober. Instead of cakey makeup, she opted for a flawless, light base that made her skin glow. She also used classic winged eyeliner on her eyes, giving her face a slightly sharper look. Tejasswi applied nude lipstick and a light peach blush on her cheeks. She also used light contouring to further enhance her face shape. Soft Curls and Bouncy Hairstyle: Tejasswi's hair made this look even more casual and attractive. She kept her hair open with a side parting. Additionally, she blow-dried it to give it a natural bounce and added soft curls at the ends. Minimal accessories - To avoid overdoing the look, Tejasswi accessorized with a simple golden bracelet. She didn't wear any other jewelry, drawing all the attention to her dress. How do you recreate it? Like Tejasswi, you can choose a simple dress in a bright color. A strappy dress is perfect for a vacation, so you can also choose a similar design. Wear flats with the dress, and keep your makeup and jewelry minimal.

No more skipping breakfast in the morning rush! Prepare these 8 high-protein breakfasts the night before.

A protein-rich breakfast helps maintain energy throughout the day and prevents frequent hunger pangs. Save precious morning time by preparing the night before. High-protein breakfasts keep you energized throughout the day. Try options like oats, cheela, and egg muffins. The rush of work often leaves us behind in the morning, but did you know how important a high-protein breakfast is for a great start to the day? A protein-rich breakfast helps maintain energy throughout the day and prevents frequent hunger pangs. Especially if your goal is fitness, weight management, or staying active throughout the day, a protein-rich breakfast is nothing short of magical. You might be wondering where you find the time in the morning? Don't worry. We've brought you some great and easy breakfast ideas that you can prepare the night before. This will save you precious time in the morning and also maintain your health. Let's learn about these delicious and healthy options: Overnight Oats - This is a great combination of fiber and protein. To make it, mix oats with milk or Greek yogurt. Then add chia seeds, dried fruits, and fresh fruit of your choice and refrigerate it overnight. By morning, it will turn into a soft and delicious breakfast. Chia Seed Pudding - If you're looking for plant-based protein and omega-3s, this is the best. Mix chia seeds with milk or almond milk, then top with a little honey and fruit and leave it to set overnight. In the morning, you will have a thick and delicious pudding. Moong Dal Cheela - This protein-packed Indian breakfast is very easy to prepare. Soak and grind moong dal the night before and prepare the batter. In the morning, simply make hot chillas. To make it even healthier, you can also add paneer or your favorite vegetables. Egg Muffins - This is a quick option for egg lovers. Beat eggs, add vegetables, cheese, or chicken, and bake them in a muffin tray the night before. Store them in the refrigerator and simply warm them up in the morning. Your healthy breakfast is ready in minutes. Sprout Salad Mix - This is a low-calorie and high-protein option. Boil sprouted mung beans or chickpeas the night before and add them to finely chopped onions, tomatoes, cucumbers, and lemon juice. Simply season them with a little seasoning in the morning and enjoy a healthy salad. Peanut Butter Sandwich - Packed with healthy fats and protein, this sandwich is the easiest way to save time. Spread peanut butter on whole-wheat bread and add banana slices to make the sandwich the night before. You don't need to cook anything in the morning; enjoy it straight away. Greek Yogurt Parfait - This breakfast is as delicious and protein-rich as it looks. Layer Greek yogurt, granola, nuts, and berries in a jar and refrigerate. This cool, crunchy dish will delight you in the morning. Paneer Bhurji Stuffing - Paneer is a treasure trove of calcium and protein. You can make delicious paneer bhurji the night before and store it in the refrigerator. In a hurry, simply stuff it between bread or parathas for a solid, filling breakfast. Why are these breakfast ideas special? The biggest advantage of all these breakfast options is that they save you time and provide your body with all the essential nutrients it needs. If you're on a weight loss or fitness journey, these high-protein breakfasts keep you full for a long time, helping you avoid unhealthy snacking.

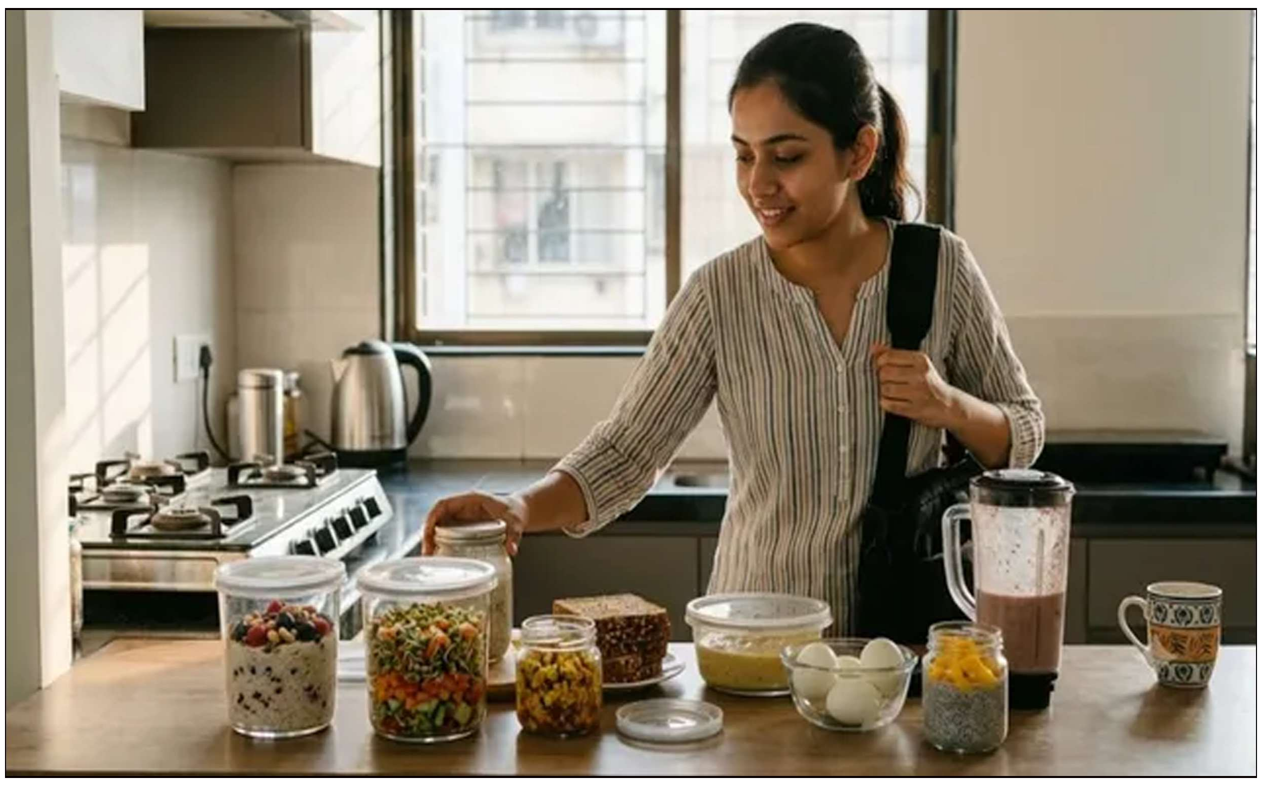

Nakatia River Rejuvenation Drive to Get Major Push Under Minister Arun Kumar Saxenaa

KYUN NA LIKHUN SACH/ Satyam Sharma / Bareilly: A major Nakatia River Rejuvenation and Environmental Conservation Programme will be held on Sunday, August 23, under the leadership of Dr. Tanu Jain, CEO, Bareilly Cantonment Board.

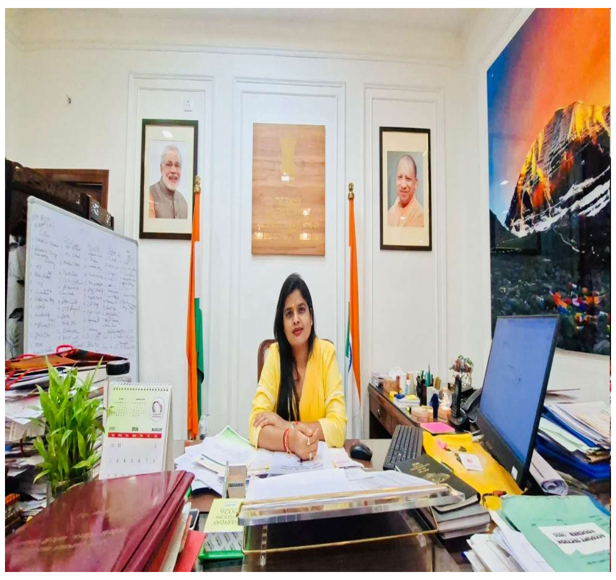

The programme will begin at 9:00 AM at Trenching Ground, where Hon'ble Minister Shri Arun Kumar Saxena will inaugurate the environmental initiatives and participate in a tree plantation drive.

The campaign will then move to the Nakatia River stretch behind Dhopaeshwar Temple, where a mass cleaning and rejuvenation drive will be conducted. Plastic, solid waste and other pollutants will be removed, along with plantation of native and eco-friendly species.

The initiative is part of the ongoing Nakatia River Rejuvenation Mission, aimed at restoring the river through sustained cleaning, plantation, scientific planning and Jan Bhagidari. Government departments, educational institutions, volunteers and citizens will participate in the campaign.

Forget expensive shampoos and spas! Include these 7 things in your diet to make your hair naturally thick.

Instead of expensive shampoos and spas, modify your diet to make your hair naturally thick and strong. Sweet potatoes are rich in beta-carotene, which helps produce natural oils in the scalp. Eggs are rich in protein and biotin, which helps thicken and strengthen hair. Spinach is rich in iron and vitamin C, which prevents hair loss. Do you also spend money on expensive shampoos, serums, and hair spas to make your hair beautiful, but do you get the desired results? In reality, real change in hair occurs when it receives proper nutrition from within. Hair density does not increase with external care alone. If your daily diet is balanced, your hair follicles become stronger, and your hair automatically becomes thick and luxurious. Let's learn about some natural daily supplements that work wonders in increasing the thickness and strength of your hair. Sweet potatoes - Sweet potatoes are a treasure trove of beta-carotene. It enters the body and converts into vitamin A, which helps produce natural oils in the scalp. Regular consumption prevents dryness and brittle hair. Additionally, it strengthens hair roots and significantly improves their density. Chia Seeds - Rich in omega-3 fatty acids, protein, and antioxidants, chia seeds improve blood circulation in the scalp. They provide excellent support for hair growth. How to consume: Mix a teaspoon of soaked chia seeds into water or your favorite smoothie and drink it daily. Eggs - Protein is a key component of hair growth, and eggs are rich in high-quality protein and biotin. Biotin accelerates the production of keratin in the hair. Regularly eating eggs will result in thicker, stronger hair, and significantly reduce breakage. Pumpkin Seeds - Packed with magnesium, iron, and zinc, pumpkin seeds are excellent for maintaining a healthy scalp. The zinc content in them balances your hair growth cycle. How to eat: Simply eat a small handful of pumpkin seeds daily; they increase hair density by nourishing the roots.

After becoming a father four times, Arjun Rampal has married for the second time. At the age of 53, the Dhurandhar 2 actor became a groom.

After an eight-year relationship, Arjun Rampal secretly married his longtime girlfriend in Goa. This is the actor's second marriage. Arjun Rampal ties the knot for the second time at the age of 53. He marries his girlfriend in Goa after an eight-year relationship. The Dhurandhar 2 actor is the father of four children. Arjun Rampal, who garnered praise for his powerful performance in blockbuster films like "Dhurandhar 2," has been trending on social media regarding his personal life. The actor has secretly married his longtime girlfriend in Goa. The actor has registered his marriage with his foreign girlfriend away from the show. Arjun Rampal marries for the second time at the age of 53 - According to reports in India Today, Arjun Rampal and Gabriella Demetriades, who have been dating since 2018, registered their marriage at the Bardez sub-registrar office in Goa on August 21, 2026. Following their court marriage, the couple officially became husband and wife. Previously, when Arjun Rampal appeared on Rhea Chakraborty's podcast, he discussed his relationship with Gabriella and confirmed that they were engaged. However, the couple has yet to make their marriage official. When the engagement was revealed in the podcast, Gabriella Demetriades had said, "Love comes with certain conditions. If that person behaves in that manner, then we give him approval whether to accept his love or not, but when you have a child, you cannot do that. It is not that I am after her because she is very hot. I hope that she too has never said such things about me." To which Arjun Rampal had replied, "I was after her because she is very hot, later I realized that there is something more to our relationship than her hotness." When Gabriella said that we are not married, but who knows when we might get married, Arjun promptly replied that we are engaged. This is Arjun Rampal's second marriage. For those who don't know, let us tell you that this is Arjun Rampal's second marriage. He married supermodel and businesswoman Mehr Jessia in the year 1998, with whom he has two daughters, Mahikaa and Myra. The couple announced their separation in the year 2018. Arjun Rampal has two sons from Gabriella Demetriades.

Sridevi's song "Banjaran" became a cult hit, with Alka Yagnik singing; it has received over 360 million views so far.

Sridevi may no longer be with us, but she has given us many songs that bring smiles to fans' faces. Her 35-year-old song "Banjaran," sung by Alka Yagnik, is still a hit on YouTube. Sridevi's 35-year-old song becomes a cult classic. Alka Yagnik provided the melodious voice for this song. This song has been viewed over 360 million times on YouTube. Hindi cinema's first female superstar, Sridevi, has not only given us a string of blockbuster films throughout her film career, but has also delivered numerous songs that are considered cult classics of Hindi cinema today. 35 years ago, Sridevi released a similar song in which she, as a "Banjaran," not only dazzled with her expressions, but a song from the movie remained on everyone's lips for years. Let us tell you which song it was. 35 years ago, Sridevi gave a cult song as a Banjaran. The Sridevi song we are referring to in this article was released 35 years ago in 1991. The lyrics of the song were, "Teri Banjaran Rasta Dekhe." Filmed on the legendary actress of Hindi cinema, this song was composed by Laxmikant Pyarelal, who has previously composed music for songs like Dosti, Bobby, Amar Akbar Anthony, and Satyam Shivam Sundaram. The lyrics of "Teri Banjaran Rasta Dekhe" were written by Anand Bakshi, and this cult classic was sung by singer Alka Yagnik. When this song was uploaded to YouTube in 2024, it broke all records. Till now, this superhit song of Sridevi has received more than 360 million views on YouTube. Even today, listening to this song brings back memories for fans. The song was filmed in this movie 35 years ago. This superhit love track of Sridevi is from the 1991 film "Banjaran," in which Sridevi played the role of Reshma, who lives with her father, Sardar Malik. Reshma's father is the head of a nomadic tribe called Banjara. One night, Reshma dreams that some goons are chasing her and he is killed. The tribe settles in the area owned by Rana Udaybhan Singh Sesodia, where she becomes attracted to Sesodia, played by Rishi Kapoor. Apart from Sridevi, actors like Pran, Kulbhushan Kharbanda, Raza Murad, Gulshan Grover, Sudhir Pandey, Rakesh Bedi, and Sharat Saxena worked in this film.

Govinda's manager reacts to claims of a second marriage, saying of Sunita Ahuja, "He has something on his mind..."

Recently, during a phone call with Rakhi Sawant, Sunita Ahuja discussed Govinda's second marriage. Now, the actor's manager has reacted. Govinda and Sunita Ahuja have been in the news for their relationship. Recently, Rakhi Sawant
front of the paparazzi, claiming that Govinda was
Govinda has been linked to actress Komal Rani. They
airport, and Sunita called him her "sugar daddy."
divorce case and claims that the actor was considering
manager has now dismissed these claims. Speaking
Shashi Sinha, said, "I'm hearing this from you.
won't be. There's no second marriage. She's his wife,
her mind that has made such claims." Govinda
The manager says that if Govinda wanted to remarry,
with Sunita Ahuja himself. He added, "They're both
never said a word against Sunita publicly, it was
public." Are the children being affected? Govinda's
they both want the best for themselves and their
them take back their decision (to divorce), but we
for the children's well-being, as they are really affected

spoke with Sunita over the phone in
planning a second marriage.
were recently spotted together at the
Sunita has also withdrawn the
a second marriage. Govinda's
to India Today, the actor's manager,
There's nothing like this, and there
and something must be going on in
doesn't want a second marriage.
he would have initiated a divorce
sensible people, and while Govinda
Sunita who made personal matters
manager further said, "I'm sure
children. We don't know what made
hope things will work out. It's also
by all this negativity."